हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार, 6 मई 2024

12 जनसभा और रैली खर्च के रिकार्ड पर पैनी नजर रखें चुनाव अधिकारी

12 गुरु बिन ज्ञान नहीं, ज्ञान बिन मुक्ति नहीं

खबर संक्षेप

स्कूल व कॉलेज के खेल मैदान में नहीं होगी रैलियां

फतेहाबाद। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल नरवाल ने कहा कि चुनाव रैलियों के लिए राजनीतिक पार्टियों व चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों को स्कूल व कॉलेजों के खेल के मैदान का उपयोग करने की चुनाव आयोग से अनुमति नहीं होगी। उन्होंने स्पष्ट किया है कि हरियाणा व पंजाब को छोड़कर अन्य प्रदेशों व केंद्र शासित प्रदेशों में स्कूल प्रबंधन की अनुमति से खेल मैदान उपयोग किया जा सकेगा। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा इस मुद्दे पर व्यक्त निषेध (एक्सप्रेस प्रोहिबिशन) लगा रखा है।

हमला करने का आरोपी काबू

ओढां। ओढां थाना पुलस ने तेजधार हथियार से हमला करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयोग किया गया कापा भी बरामद किया गया है। ओढां थाना प्रभारी अनिल कुमार ने बताया कि बीती 6 फरवरी को प्रेम कुमार निवासी ख्योवाली के बयान पर एक व्यक्ति द्वारा उस पर तेजधार हथियार से हमला करने के आरोप में केस दर्ज किया गया था।

फैक्ट्री के बाहर से मोटरसाइकिल चोरी

सिरसा। बाजेकां नाके के समीप एक फैक्ट्री के बाहर से चोर मोटरसाइकि चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में गांव नेजाडेला कलां निवासी भजनलाल ने बताया कि वह बाजेकां के निकट वीआर होम डेकोरेटर वूडन फैक्ट्री में काम करता है। उसने बताया कि बीती 4 मई की सुबह उसने अपनी बाइक फैक्ट्री के बाहर खड़ी की थी। कुछ समय बाद आकर देखा तो बाइक गायब मिली। उन्होंने अपने स्तर पर काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा।

मेहूवाला से महिला बेटे के साथ लापता

फतेहाबाद। जिले के भट्ट क्षेत्र के गांव मेहूवाला से एक महिला के अपने बेटे के साथ लापता होने का समाचार है। इस बारे पुलिस को दी शिकायत में गांव मेहूवाला निवासी एक युक ने कहा है कि उसकी 35 वर्षीय पत्नी 5 साल के लड़के के साथ गत दिवस घर पर बिना किसी को बताए चली गई है और वापस घर नहीं लौटी है। इस पर उन्होंने उसकी काफी जगह तलाश की लेकिन जब कुछ पता नहीं चला तो उसने इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई।

ग्रामीणों को बताया स्वस्थ जीवन शैली का रहस्य

चोपटा। नाथूसरी चोपटा की व्यायामशाला गीगोरानी, धिंगतानिया व खेड़ी में आयुष आरोग्य मंदिर कागदाना व राजकीय आयुर्वेदिक औषधालय मोडिया खेड़ा के सहयोग से योग एवं स्वस्थ जीवन शैली जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। योग सहायक लवकेश ने ग्रामीणों को योग अभ्यास व आहार विहार उचित करके इन रोगों को ठीक करने की जानकारी दी।

हजारों एमटी गेहूं अभी भी मंडियों में पड़ी

गेहूं खरीद ने पिछले रिकार्ड तोड़े पहले से ज्यादा हुई गेहूं की आवक

41179 किसानों के खाते में 1 हजार करोड़ से अधिक का हुआ भुगतान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। मण्डियों में लगी गेहूं की ढेरियां। *फोटो : हरिभूमि*

जिले की अनाज मण्डियों व खरीद केन्द्रों में गेहूं खरीद का काम अंतिम चरण में है। अब तक खेतों से कटाई होकर लगभग 'पूरा गेहूं' मण्डियों व खरीद केन्द्रों पर पहुंच चुका है। इस बार फरवरी-मार्च में अच्छी ठंड रहने से गेहूं का बम्पर उत्पादन हुआ है, जिसके चलते जिले में गेहूं खरीद का लक्ष्य पिछले साल को पार कर गया है। पिछले साल कुल 6 लाख 14 हजार मीट्रिक टन गेहूं की आवक हुई थी। इस साल अब तक 6 लाख 44 हजार 227 मीट्रिक टन गेहूं की आवक हो चुकी है। अभी जो मण्डियों में आढ़तियों के पास गेहूं पड़ी है, वह इसमें शामिल नहीं है। वर्ष 2023 में कुल 6 लाख 14 हजार 656 एमटी गेहूं की आवक हुई थी, जबकि उसके पिछले साल 2022 में गेहूं की आवक काफी कम थी। इस साल 4 लाख 29 हजार 641 एमटी गेहूं की बाजार में आया था। इस साल जिला में अब तक 41179 किसानों की विभिन्न एजेंसियों द्वारा 644247 मीट्रिक टन गेहूं फसल की खरीद की गई है जोकि पिछले साल 30 हजार एमटी ज्यादा है। जिला में अब 472407 मीट्रिक टन गेहूं की फसल का उठान किया जा चुका है, जो कुल खरीद का 73.33 प्रतिशत है। अभी भी 1 लाख 71 हजार 840 एमटी गेहूं खुले आसमान के नीचे पड़ा है। खरीद एजेंसियों की मानें तो अभी जिले में जो आढ़तियों के पास गेहूं पड़ा है, वह 30 हजार एमटी से ज्यादा है। ऐसे में कुछ खरीद पिछले साल से 10 से 15 फीसदी ज्यादा हो सकती है। एक अनुमान के अनुसार गेहूं खरीद का आंकड़ा 7 लाख एमटी को छू सकता है।

एजेंसी वाइज खरीद और उठान

जिले में अब तक फूड सप्लाई ने 3375 किसानों की 69466 मीट्रिक टन, हैफेड ने 21187 किसानों की 336266 मीट्रिक टन, एचडब्ल्यूसी ने 12013 किसानों की 213518 मीट्रिक टन व एफसीआई ने 4604 किसानों की 24997 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की है। अब तक फूड सप्लाई ने 57411 मीट्रिक टन, हैफेड ने 242697 मीट्रिक टन, एचडब्ल्यूसी ने 152862 मीट्रिक टन व एफसीआई ने 19437 मीट्रिक टन गेहूं की फसल का उठान किया गया है।

1 हजार करोड़ से अधिक का भुगतान

गेहूं खरीद की एवज में किसानों को फसल का भुगतान भी तेजी से किया जा रहा है। जिला में अब तक 41179 किसानों की गेहूं की फसल खरीदी जा चुकी है जिसकी एवज में विभिन्न खरीद एजेंसियों द्वारा 1006.58 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान किया गया है। फूड सप्लाई ने 164.29 करोड़, हैफेड ने 512.76 करोड़, एचडब्ल्यूसी ने 12.13 करोड़ व एफसीआई ने 56.60 करोड़ रुपये का भुगतान किया है।

-विनीत जैन, डीएफएससी, फतेहाबाद

रिटायर्ड कर्मचारी संघ द्वारा ब्लॉक स्तरीय सम्मेलन का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| डबवाली

रिटायर्ड कर्मचारी संघ द्वारा रविवार को राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में ब्लॉक स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन की अध्यक्षता संघ के ब्लॉक प्रधान सुखवंत सिंह चीमा ने की जबकि राज्य उपप्रधान जोगिंद्र सिंह, राज्य संगठन सचिव किशोरी मैहता व जिला पदाधिकारी रवि कुमार ने मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थिति दर्ज करवाई। संबोधन में जोगिंद्र सिंह ने कहा कि रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा के सरकारी, अर्द्धसरकारी, वश्विवद्यिालय, बोर्ड, निगम व कॉरपोरेशन के लगभग तीन लाख रिटायर्ड कर्मचारियों का संगठन है। इनके साथ परिवार के लगभग 15 लाख लोग जुड़े हुए हैं। सरकार लगातार पिछले 10 वर्ष से रिटायर्ड कर्मचारियों की अनदेखी कर रही है। किसानों, मजदूरों, नौजवानों, महिलाओं, छात्रों व अन्य पीड़ित लोगों को न्याय और सम्मान देने के बजाए उत्पीड़न किया जा रहा है। किशोरी मैहता ने कहा कि कौशल रोजगार व अग्निवीर जैसी योजनाएं नौजवानों के भवष्यि के साथ खिलवाड़ है। सभी को स्थायी रोजगार, शक्षिा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, आवास के साथ-साथ भ्रष्टाचार व अपराधमुक्त जीवन चाहिए।

ये रखीं मांगें

इस मौके पर जिला पदाधिकारी रवि कुमार ने भी अपने विचार रखे। ब्लॉक प्रधान सुखवंत सिंह चीमा ने मांगों के बारे में बताया कि पैंशनर्ज को 65 वर्ष की आयु पर 10 प्रतिशत व 70 वर्ष की आयु पर 20 प्रतिशत बेसिक पेंशन में वृद्धि दी जाये। मैडिकल भत्ता 3000 रूपये मासिक व पूरा इलाज कैशलैश करते हुए पूर्ण तौर पर सरल तरीके से लागू किया जाये। पुरानी पैंशन योजना सभी पर लागू की जाये व आयकर से मुक्त की जाये। कम्युटेशन की कटौती 15 वर्ष की बजाय 12 वर्ष की जाये। सभी वरष्ठि नागरिकों को बसों, रेलों व हवाई यात्रा में पहले की तरह रियायती किराया लिया जाए। गुरतेज सिंह पीजीटी ने भी रिटायर्ड कर्मचारियों की अन्य मांगों व उन्हें होने वाली परेशानियों के बारे में वस्तिार से बताया।

टेलीग्राम पर अकाउंट बनाकर साइबर ठग लोगों को लगा रहे चूना: एसपी

■ जॉब से असतुंष्ट लोगों, जल्दी पैसा कमाने वाले लोगों को साइबर क्रिमिनल आसानी से अपना शिकार बना रहे

सिरसा। पुलिस अधीक्षक वक्रिांत भूषण के नर्दिेश पर जिला पुलिस की ओर से साइबर फ्रॉड के खिलाफ लोगों को जागरूक करने के लिए विशेष एडवाइजरी जारी की गई है। पुलिस अधीक्षक वक्रिांत भूषण ने कहा कि मोबाइल, इंटरनेट के बढ़ते इस्तेमाल के साथ ही साइबर ठगी के मामले भी लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि साइबर ठग लोगों को रोज नए-नए तरीकों से अपने जाल में फांसने में कामयाब हो रहे हैं। अपने जॉब से असतुंष्ट लोगों, जल्दी पैसा कमाने वाले लोगों को साइबर क्रिमिनल आसानी से अपना शिकार बना रहे हैं। बुजुर्गों के अलावा यहां गृहणियां, युवा सबसे अधिक साइबर क्राइम करने वालों के निशाने पर हैं। आजकल साइबर फ्रॉड करने वाले लोग यूट्यूब पर वीडियो लाइक कर पैसा कमाने का झांसा देकर साइबर फ्रॉड को अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधियों द्वारा लोगों को फोन कॉल कर लोगों से यूट्यूब पर विडियो लाइक करने की एवज मैं पैसे कमाने का आश्वासन दिया जाता है। जब यूट्यूब पर वीडियो को लाइक करते हैं तो शुरुआत में उनके अकाउंट में पैसे डाल दिए जाते हैं और उसके बाद जब व्यक्ति को भरोसा हो जाता है तो उसे टेलग्रिाम पर लाकर उसका एक अकाउंट बनाया जाता है। यह ऐप बेस्ड अकाउंट होता है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी भोले भाले लोगों को टेलीग्राम के जरिए एक टास्क पूरा करने के बाद एक मोटी रकम दिखाई जाती है। उन्होंने कहा कि साइबर फ्रॉड के बदले इनसें कुछ कमिशन मांगा जाता है और यहीं से फ्रॉड शुरू हो जाता है, कुछ दिनों बाद टेलग्रिाम अकाउंट डिलीट कर दिया जाता है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि इसके अतिरिक्त गूगल ऐप के जरिए भी काफी फ्रॉड होने की शिकायतें आ रही हैं।

शूटआउट मामले में आरोपी की डेड बॉडी डेबवाली पहुंची

■ सलमान खान के घर के बाहर हुई फायरिंग का मामला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| डबवाली

डबवाली। डबवाली में श्रद्धांजलि देते बश्निोई समाज के लोग। *फोटो : हरिभूमि*

फल्मि अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर हुए शूटआउट के मामले में आरोपी बनाए गए अनुज थापन की डेड बॉडी दल्ली से हिसार, सिरसा के रास्ते रविवार को एंबुलेंस से डबवाली पहुंची। अनुज थापन की मुबई क्राइम ब्रांच की हवालात में मौत के बाद उसकी डेड बॉडी परिजनों को सौंपी गई है जिसे अबोहर के पास उसके गांव सुखचैन ले जाते समय एंबुलैंस को कुछ देर डबवाली में रोका गया। इस मौके पर अखिल भारतीय बश्निोई महासभा के अध्यक्ष देवेन्द्र कुमार बुडीया, उपाध्यक्ष सोम प्रकाश सीगड, बश्निोई सभा डबवाली के अध्यक्ष कुलदीप कुमार जादुदा, सचिव इन्द्रजीत बश्निोई, सदस्य रिटायर्ड कानूनगो विनोद कुमार, जीत राम पूनिया, मुकाम गौशाला अध्यक्ष कृष्ण कुमार सीगड, मदनलाल खीचड़, सुदेश कुमार धारनिया, विकास कुमार ज्याणी, अमीलाल पटवारी, कृष्ण कुमार गोदारा, कृष्ण कुमार धतरवाल, दलीप कुमार डुडी, सुशील कुमार धायल, राजेन्द्र कुमार देहडू, सिकन्दर जादूदा धर्मवीर पूनिया, सुधीर पूनिया अशोक जादूदा, सोनू खीचड़, शिवा भादू व हिसार से आए लोगों सहित सभी ने पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित करते हुए से श्रद्धांजलि दी। बश्निोई समाज के लोग व मृतक के परिजन इस मामले में सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं। इंद्रजीत बश्निोई ने बताया कि इसके तुरंत बाद अनुज थापन की डेड बाडी को अबोहर के पास गांव सुखचैन ले जाया गया। रास्ते में भी सीतोगुन्नो चौक पर समाज के सैकड़ों लोगों ने श्रद्धांजलि दी। इंद्रजीत बश्निोई ने बताया कि अनुज का परिवार बेहद गरीब है, घर में अनुज ही कमाने वाला था।

किसान मजदूर महापंचायत 10 को फतेहाबाद में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

मनदीप नथवान।

पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति द्वारा 10 मई को फतेहाबाद में किसान मजदूर महापंचायत की जाएगी। इस पंचायत में लोकसभा चुनाव मांग मुद्दों पर और चर्चा होगी साथ में भाजपा उम्मीदवार द्वारा 200 किसानों की निशानदेही कर मुकदमे दर्ज करने की धमकी के खिलाफ किसान सड़कों पर उतरेंगे। किसान संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष मनदीप सिंह ने बताया कि लोकसभा चुनाव में जगह-जगह बीजेपी और जेजेपी के उम्मीदवारों से सवाल जवाब किए जा रहे हैं। भाजपा नेता सवालों के जवाब नहीं दे पा रहे। उन्होंने कहा कि 10 साल का भाजपा का शासन देखकर जनता ने भाजपा को नकार दिया है। भाजपा का उम्मीदवार भारी मतों से हारने वाला है और हार की बौखलाहट के कारण किसान नेताओं को धमकियां दी जा रही है।

रमेश बने शारीरिक शिक्षक संघ के प्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। जिला शारीरिक संघ की चुनावी बैठक में मौजूद सदस्य।

जिला शारीरिक शिक्षक संघ की जिला कार्यकारिणी के चुनाव को लेकर संघ के सदस्यों की बैठक आयोजित की गई। सतबीर सिंह डीपीई की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में संघ की राज्य कार्यकारिणी सदस्य हरबंस एईईओ सिरसा बतौर चुनाव पर्यवेक्षक उपस्थित रहे। उनके साथ अनिल कुमार एईओ सिरसा व उपप्रधान राज्य शारीरिक शिक्षक संघ भी सहयोगी के रुप में उपस्थित रहे। उपस्थित सदस्यों की सर्वसम्मति से रमेश कुमार घोडेला पीटीआई को प्रधान, जसवंत सिंह डीपी को उप प्रधान, विजय जग्गा एईईओ को महासचिव, मनोज कुमार पीटीआई को कोषाध्यक्ष, ओम प्रकाश पीटीआई को सहसचिव, संगठन सचिव रामेश्वर दास डीपीई, ऑडिटर गौरी शंकर डीपीई बनाया गया। इसके अलावा अतिरिक्त विशेष सलाहकार और प्रैस प्रवक्ता का दायित्व पृथ्वीराज डीपीई, राजेश मैहता डीपीई और राजीव अहलावत को दिया गया। विशेष आमंत्रित सदस्य के रुप में इंद्रादेवी पीटीआई, रेखा डीपीई और सुरेंद्र सिंह पीटीआई को नियुक्त किया गया।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

निकटवर्ती गांव रंगड़ी के समीप तेज रफ्तार ट्रैक्टर चालक ने मोटरसाइकिल सवारों को टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को पहले अस्पताल में लाया गया, जहां से अग्रोहा रेफर कर दिया गया। अग्रोहा में एक की उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि दूसरे को रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया गया। पुलिस को दिए बयानों में गांव बकरियांवाली निवासी अभय सिंह ने बताया कि बीती 3 मई की सुबह वह सिरसा से सामान लेने के लिए गया था। दोपहर को वापसी के वक्त जब वह गांव रंगड़ी के समीप पहुंचा तो उसे चाचा का लडक़ा झंडुराम बाइक लेकर मिला। उसके साथ उनका पड़ोसी रामेश्वर बैठा था। इसी दौरान सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर सवार ने झंडुराम के बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वे दोनों बाइक सहित नीचे जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गया। ट्रैक्टर चालक मौके से भाग गया। आसपास के लोगों ने दोनों को अस्पताल में पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद अग्रोहा रेफर कर दिया गया।

भूना में चोरों ने दुकान से कपड़े और नकदी चुराई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

भूना में चोरों ने रविवार अलसुबह एक दुकान में घुसकर वहां से हजारों के कपड़े व नकदी चोरी कर ले गए। चोरों ने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे व डीवीआर को भी चोरी कर लिया। इस बारे दुकानदार द्वारा सूचना देने पर भूना पुलिस मौके पर पहुंच गई और चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। रविवार को भूना पुलिस को दी शिकायत में गांव खासा पठाना निवासी गुरजंट सिंह ने कहा है कि उसकी भूना में उकलाना रोड पर मोन्टी ढाबे के पास नूर कलैक्शन के नाम से दुकान है। रविवार सुबह करीब सवा 4 बजे उसकी दुकान में चोरी हो गई है। चोर उसकी दुकान में रखे कपड़े, सीसीटीवी कैमरे, डीवीआर के अलावा 8 से 10 हजार रुपये की नकदी चोरी कर ले गए है। चोरीशुदा सामान की कीमत 50 से 60 हजार रुपये बताई गई है। दुकानदार ने आरोप लगाया कि चोरों ने उसकी दुकान में फर्नीचर को भी काफी नुकसान पहुंचाया है। जब वह दुकान पर आया तो उसे चोरी का पता चला। इस पर उसने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। भूना पुलिस ने इस बारे केस दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि यह विवाद पिछले एक महीने से चल रहा है

किन्नर समाज के साथ हुई मारपीट में दूसरा पक्ष आया सामने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जाखल

जाखल। पत्रकारों से बातचीत करते किन्नर समाज के लोग।

खंड के गांव तलवाड़ी में शनिवार को किन्नर समाज के साथ हुई मारपीट के बाद अब दूसरा पक्ष सामने आ चुका है। रविवार को दूसरे पक्ष ने अग्रवाल धर्मशाला में पत्रकारों से बातचीत करते हुए अपना पक्ष रखा, जिसमें नीलू महंत के साथ अन्य दो किन्नर समाज के लोग उपस्थित रहे। प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि यह विवाद पिछले करीबन एक महीने से चल रहा है, यह विवाद जाखल थाना में भी पहुंच गया था। नीलू महंत ने आरोप लगाते हुए कहा कि दूसरे पक्ष के द्वारा उन्हें गलत भी बोला गया है। वह पिछले लंबे समय से यहां पर रह रहे है। उसके बाद यह लोग हमारे क्षेत्र में दखल दे रहे है। इस पक्ष का तो यह भी आरोप है कि कुछ दिन पहले जाखल खंड के गांव चूहड़पुर में भी उन पर जानलेवा हमला हुआ है। उन्हें गांवो वालों की मदद से बचाया गया था। प्रेस वार्ता के दौरान किन्नर समाज ने पुलिस प्रशासन पर भी आरोप जड़ते हुए कहा कि उन्हें किसी भी तरह का कोई साथ नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि रविवार सुबह पुलिस उनके घर पर आई थी और उन पर समझौते के लिए दबाब डालना चाहा जिसके बाद हमने साफ तौर पर उन्हें मना कर दिया। शनिवार को हुए घटनाक्रम को लेकर उन्होंने कहा कि उनके ऊपर लगाए गए सभी आरोप निराधार है, वह ऐसी हरकत कभी नही करेंगे जिससे किसी को जानमाल का नुकसान हो। एक ऑडियो वायरल होने के चलते उन्होंने उस आडियो की भी पुष्टि करवाने के लिए कहा है, उनका कहना है कि जो आडियो वायरल की जा रही है वह उनकी नहीं है। बता दें कि इस विवाद को लेकर किन्नर समाज की एक बैठक आज से एक सप्ताह पूर्व शहर के चंडीगढ़ रोड़ पर माया रिसोर्ट में रखी गई थी। उस बैठक में शनिवार कल घायल हुआ पक्ष नही पहुँचा था, जिसके बाद वहां से किन्नर समाज बिना किसी बात को सम्पूर्ण किए चले गए थे। प्रेस वार्ता के दौरान हुई बातचीत में उन्होंने पुलिस प्रशासन से सहयोग की अपील करते हुए जल्द न्याय की मांग की है। उनका कहना है कि इस मामले में पूरी तरह से पटाक्षेप होना चाहिए। इस वार्ता के दौरान नीलू महंत, चंद्रमुखी व मनीषा मौजूद रही थी।

विनीत पुनिया के नेतृत्व में दर्जनों नेताओं ने थामा कांग्रेस का दामन

फतेहाबाद। फतेहाबाद में कांग्रेस को सफलता मिली है। रविवार को भाजपा, जजपा और इनेलो के दर्जनों नेताओं ने कांग्रेस का दामन थामकर कांग्रेस प्रत्याशी कुमारी सैलजा को पूरा समर्थन दिया। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव डॉ विनीत पुनिया ने सभी नेताओं को कांग्रेस का पटका पहनकर पार्टी में शामिल कराया। रिटायर्ड सब इंस्पेक्टर मंगतराम, मांगेराम ढिंगसरा, राजेश कुमार ब्लॉक समिति मेंबर ढिंगसरा, राजेश कुमार ब्लॉक समिति मेंबर, महेन्द्र, विनोद कुमार, वेद प्रकाश, देवीलाल, सुल्तान सिंह, जागर सिंह नायक, पृथ्वी सिंह, संजय घोटड, मांगेराम माईला आदि रहे।

अभी यहाँ घर जैसा खाना मिलता है इसलिए लोग आते हैं। पैसा भी तो बच जाता है सर। और इनके थकान की बात तो निकाल ही दीजिये मन से। ये खेत में काम करने वाली हड्डियाँ हैं। हम लोग थक जाते हैं सर, पर ये नहीं।' मेरी नजरें फिर से उन दोनों से जा टकराईं। बिल अदा कर मैं बाहर निकल आया। मन उस ढाबे में अटक गया है। बहुत देर तक वे उदास आँखें मेरा पीछा करती रहीं।

कहानी | आशा पाण्डेय

उदास आँखें

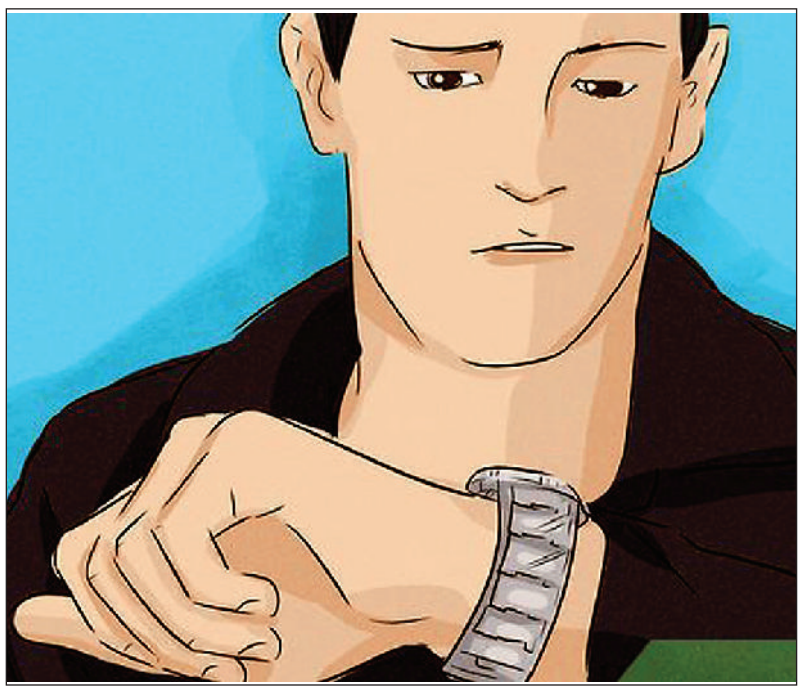

सुबह घर से निकलते समय ही तय कर लिया था कि आतिथ्य भोजनालय में रुक कर नाश्ता कर लूँगा। अमरावती से नागपुर के तीन घंटे के सफर में डेढ़ घंटे बाद पड़ने वाले आम के बगीचों के बीच बना भोजनालय अभी कुछ महीनों पहले ही खुला है। वहां का दही-पराठा बहुत फेमस है। भोजन भी घर जैसा स्वादिष्ट होता है। इस बार मैं भी उस भोजनालय का स्वाद लेना चाहता हूँ।

ड्राइवर को आतिथ्य भोजनालय में रुकने को कह, मैं सीट से सिर टिका कर आँखें बंद कर, आज होने वाली मीटिंग के बारे में सोचने लगा। कई दिनों से कार्य की अधिकता की वजह से सो नहीं पा रहा था, इसलिए आँखें बंद करते ही नींद में चला गया। जगा तब, जब ड्राइवर ने आवाज लगाई – "साहब आतिथ्य भोजनालय" आ गया।"

चौंककर मैंने आँखें खोली– तो मैं डेढ़ घंटा सो लिया ..!

"चलो नाश्ता कर लिया जाए।" ड्राइवर से कह मैं कार से बाहर आ गया।

बाहर गर्म हवाएँ एक झोंके की तरह आम के पेड़ों से टकरा कर बह रही हैं। मैंने घड़ी देखा, सुबह के नौ बजने वाले हैं, लेकिन लग रहा है, दोपहर हो गई हो जैसे। जुलाई की सुबहें कुछ देर बाद ही अपनी नरमाहट भूल कर उमस भरी चिपचिपी हो जाती हैं। भोजनालय में पहुँचकर मैंने चारों तरफ एक नजर दौड़ाई- हरी क्यारियों और गझिन पेड़ों के बीच बाँस की फट्टियों को कलात्मक तरीके से जोड़कर दो-तीन छोटी-छोटी गुमटियाँ बनाई गईं हैं। ग्राहकों के बैठने के लिए पेड़ों के नीचे गोल टेबल और कुर्सियां रखी हैं, वहीं पास में रंग-बिरंगे मटके बड़े करीने से सजे हैं। अभी-अभी हुए पानी के छिड़काव से मिट्टी की सौंधी महक उठ रही है,जो मुझे पीछे किसी याद में ले जाने को मचल रही है। यूँ इस जगह पर आकर मुझे तरो-ताजा और खुश महसूस करना चाहिए, किन्तु न जाने क्यों सब कुछ सूना-सूना और उदास लग रहा है।

मेरे आते ही एक युवक फुर्ती से मेरे पास आया और बड़ी गर्मजोशी से स्वागत करते हुए मुझे एक टेबल की ओर ले गया। मैं इधर-उधर देख कर एक घने पेड़ की छाँव में बैठ गया। उस टेबल से दस कदम की दूरी पर बाँस से घिरी खुली रसोई है। चूल्हे के पास साठ-पैंसठ वर्ष की एक वृद्ध महिला गुमसुम बैठी है। वह इधर की ओर देख रही है। उसके आस-पास बड़े-बड़े भगोने ढके हुए रखे हैं। चूल्हे से कुछ दूरी पर एक कुर्सी-मेज लगी है। जहाँ एक वृद्ध बैठा है।

भोजनालय में भीड़ नहीं है। बस, एक दो परिवार, जो नाश्ता कर उठने वाले थे, दिखे।

मेरे बैठते ही एक लड़का मेरा टेबल साफ कर पानी का जग और मेन्यू कार्ड रख गया। फिर वह युवक, जिसने बढ़कर मेरा स्वागत किया था, आया।

'बताएं सर, क्या लेना पसंद करेंगे? रस्सा-पोहा, बटाटा बड़ा, दही पराठा ..? जो कहें आप। भोजन करने का मन हो, तो गर्मागर्म झुनका-भाखर भी तैयार मिलेगी।'

'नहीं, अभी भोजन का समय नहीं है, दही-पराठा लगवा दो। उधर ड्राइवर से पूछ लो, वह जो लेना चाहे जल्दी बन तो जायेगा न ?' मैंने घड़ी देखते हुए पूछा।

'जी सर, बस दस मिनट' कहकर वह उस महिला को हांक लगाया- 'फटाफट दो पराठे और दही भेजवा इस टेबल पर।'

वृद्ध महिला की उदास आँखें और उदास हो गईं। वह जलती लकड़ी को चूल्हे में सरका कर आटे की लोइयाँ बनाने लगी। कुछ दूर पर बैठे वृद्ध के चेहरे पर अजीब-सी बेचैनी छा गई। मेरा मन द्रवित हुआ —इस उमर में नौकरी! मजबूरी होगी!

युवक की हांक जारी है- जल्दी कर माँ! एक बन जाये तो थाली लगाकर दे। फिर दूसरा संकती रहना।' फिर मेरी ओर मुखातिब होकर बोला – 'सर, एक के बाद एक गरम-गरम मिलता जायेगा आपको। चूल्हे का करारा सिंका पराठा .. मजा आ जायेगा आपको।'

उस महिला के लिए युवक का 'माँ' संबोधन मुझे अच्छा लगा। मैंने सोचा–युवक बुजुर्गों का आदर करना जानता है। मेरे पास से हटते ही उसने फिर से महिला को आवाज लगाई – 'जल्दी भेज इस टेबल पर नाश्ता...अभी तक सिंका नहीं?'

महिला पराठा रखने के लिए प्लेट उठा रही थी। लड़के के बोलते ही न जाने कैसे उसके हाथ से प्लेट छूटकर गिर गई। लड़का चिल्लाया–क्या कर रही है? सबेरे-सबेरे ही तेरे हाथ से बरतन छूट रहे हैं? झूमते हुए काम करती है क्या, जल्दी ला।'

युवक के लिए थोड़ी देर पहले मेरे मन में उपजे विचार तिरोहित हो गए। मैं उस महिला को देखने लगा। प्लेट में दही-पराठा,अचार सजा कर महिला घुटने पर हाथ रख उठी और धीरे-धीरे चलते हुए प्लेट मेरी टेबल पर रख गई। मैं नाश्ता करने लगा। पराठा वाकई स्वादिष्ट बना है। खाते-खाते मेरी निगाहें पराठा सेंकती महिला पर ठिठकती रहीं। चूल्हे की आँच के सामने लाल हुए झुलसे चेहरे की कसक लिए महिला तल्लीनता से पराठा बेलने,सेंकने में जुटी है और एक-एक कर टेबल पर पहुँचाये भी जा रही है।

नाश्ता हो जाने के बाद जब वह प्लेट उठाने आई तब मैंने पराठे के स्वाद का बखान कर दिया। वह कुछ झेपी,हिचकिचाई,फिर प्लेट उठाकर चली गई।

युवक बिल लेकर मेरी टेबल पर आया। आत्मविश्वास से भरी उसकी आँखें चमक रही हैं। उसने पूछा, "सर पराठा अच्छा लगा न ?"

"हाँ यार, बहुत स्वादिष्ट थे पराठे ङ्ख माता जी के हाथों में जादू है ङ्ख पर इस उम्र में नौकरी ..?"

" नहीं सर, नौकरी नहीं ङ्ख ये मेरी माँ हैं। और उधर जो कुर्सी पर बैठे हैं, वे पिता हैं।"

मैं अवाक, बस "अच्छा " कह पाया। ये इसके माता पिता हैंङ्ख. फिर भीङ्ख! मेरी आवाज घुटकर रह गई। "हाँ सर, ये दोनों घर में बैठे बोर होते रहते थे। कुछ काम धंधा नहीं था इनके पास, घर के लोग भी दिन भर वही-वही चेहरा देख देखकर बोर होते थे ङ्ख बस बैठा दिया यहाँ।' कहते हुए लड़का किसी रहस्य- सा मुस्कराया फिर आगे बोला– अब यहाँ दिनभर लोगों के बीच में मन लगा रहता है इनका। एक बाई भी है, आज छुट्टी पर है। दोनों मिलकर सम्भाल लेती हैं। आप तो देख रहे हैं, एक लड़का भी रखा है। आराम से हो जाता है सब।' युवक माँ-बाप की उम्र, थकान, निराशा को न सुनना चाहता है न सोचना। महिला खमोश हो हमारी बातों को सुन रही है। 'ये जगह तुम्हारी है या किराये पर लिए हो?'

बाहर गर्म हवाएँ एक झोंके की तरह आम के पेड़ों से टकरा कर बह रही हैं। मैंने घड़ी देखा, सुबह के नौ बजने वाले हैं, लेकिन लग रहा है, दोपहर हो गई हो जैसे। जुलाई की सुबहें कुछ देर बाद ही अपनी नरमाहट भूल कर उमस भरी चिपचिपी हो जाती हैं।भोजनालय में पहुँचकर मैंने चारों तरफ एक नजर दौड़ाई– हरी क्यारियों और गझिन पेड़ों के बीच बाँस की फट्टियों को कलात्मक तरीके से जोड़कर दो–तीन छोटी–छोटी गुमटियाँ बनाई गईं हैं। ग्राहकों के बैठने के लिए पेड़ों के नीचे गोल टेबल और कुर्सियां रखी हैं, वहीं पास में रंग–बिरंगे मटके बड़े करीने से सजे हैं। अभी–अभी हुए पानी के छिड़काव से मिट्टी की सौंधी महक उठ रही है,जो मुझे पीछे किसी याद में ले जाने को मचल रही है। यूँ इस जगह पर आकर मुझे तरो–ताजा और खुश महसूस करना चाहिए, किन्तु न जाने क्यों सब कुछ सूना–सूना और उदास लग रहा है।

मैंने बात बदलने की कोशिश की।

'मेरी खुद की है। बाबा (पिता)ने खरीदा था। हाइवे पर है, तो ख्याल आया कि यहाँ ढाबा शुरू कर दिया जाये तो अच्छी कमाई होगी।'

'वो तो ठीक है, पर एक कुक रख लो यार, माता जी चूल्हे के सामने...थक जाती होंगी। अब इनके आराम के दिन हैं।' न जाने कैसे मेरे भीतर उमड़ता गुबार बाहर आ गया।

'कुक रखने के बाद तो हमारा ढाबा भी अन्य ढाबों जैसा ही हो जायेगा न सर,... अभी यहाँ घर जैसा खाना मिलता है इसलिए लोग आते हैं। पैसा भी तो बच जाता है सर। और इनके थकान की बात तो निकाल ही दीजिये मन से। ये खेत में काम करने वाली हड्डियाँ हैं। हम लोग थक जाते हैं सर, पर ये नहीं।'

मेरी नजरें फिर से उन दोनों से जा टकराईं, जो बेटे की बातों को सुनते हुए उन्हें हजम करने को मजबूर दिखीं।

बिल अदा कर मैं बाहर निकल आया । मेरी गाड़ी नागपुर की ओर आगे बढ़ रही है और मन उस ढाबे में अटक गया है। बहुत देर तक वे उदास आँखें मेरा पीछा करती रहीं।

(लेखिका वरिष्ठ साहित्यकार हैं)

कविता | अन्नू प्रिया

खत्म होती उम्र

गांवों के अंधियारे चौबारों में
खेलता हुआ भूखा बचपन
आधार कार्ड पर नाम सही नहीं
मनरेगा में पालकों का
रोज कम मिल रहा श्रमदान
रोज एक पहर भोजन लिए
हर रात भूखा सोता बचपन
हाथ में कलम के बजाए
चौराहे पर खड़े हो पिता संग
मजदूरी खोज रहा यौवन,
महज 50-100 रुपये लिए
धूप में झुर्रियों संग खेतों में
खत्म हो गया मन का सावन
ये भूख की आग ऐसी है कि
दाह-संस्कार से पहले खाते में
टटोले लिए जाते हैं पैसे।
बीमा कंपनी में क्लेम मिल जाए
आंगन में अकड़ा हुआ पड़ा है,
घरवाले बीमा और बंटवारे सोच रहे।
दिल्ली मुंबई लिए सूटकेस-बैग भरे,
जनरल बोगी में ठूंसे हुए अभागे,
सोच रहे सपनों के पूरा होने लिए
निकल पड़े अपने मन के अंधियारे से
गगनचुंबी इमारतों में खोने-गिरने लिए।।

कविता | निधि राठी

खुशनुमा

हर रोज थोड़ा संवरती है, थोड़ा संभलती है,
इतराती है, आईने से बातें करती है,
हवा सी उड़ती है, खुशनुमा सी हस्ती है,
मिजाज गरम है, लहजा नरम है,
हार जाएगी, ये तुम्हारा भ्रम है,
खिलखिला कर निकल जाती है वो इन तंग गलियों से,
कुछ ऐसे खुदा के उसे पर कर्म है।
पुराने ख्यालों की लड़की है, हल्की सी बिंदी और गजरे से अपने बालों को सजाती है,
आसमान से बातें करती है, चांद के संग ठहाके लगाती है, सितारों से बहस करती है, सूरज को मात देती है, यूं तो फूल सी नाजुक है पर कांटों से भिड़ जाती है,
यूं ही लोग उसे माया नहीं कहते,
वो मोहब्बत से पत्थर में जान डाल जाती है।
बड़ी गहरी बातें करती है, प्रेम में विश्वास रखती है,
अजीज बना ले अगर किसी को,
तो दिल की बेहद गरीब रखती है,
ठोकरें खाती है,फिर उठ जाती है,
कई बार अपनों से ही मार खाती है,
आहट तक नहीं आती उसकी तकलीफ़ के शोर से,
कुछ इस कदर जज़्बातों को संभाल जाती है।

बाल गीत | महेन्द्र सिंह बिलोटिया

भारत का गौरव गान

नन्ही मुनी जान हु मैं अतीत का तौफान
भारत का गौरव गान हु मैं वीरों की सन्तान

सुनी कहानी वहीं पुरानी शेरों वाली
दिन का उजाला परखी रात अंधेरे वाली
तम भी थम जाता जब सज रात में मान
भारत का गौरव गान

हमनें जानी कुर्बानी पुर्वजों से पाई
पगडंडी पर पैर धरे सिंधी मिलती राही
लक्ष्य भेदी नजर हमारी केन्द्र पर है ध्यान
भारत का गौरव गान

सत्य अहिंसा प्रम धर्म है अपना
निर्भय निड़र धीर वीर मोत समझते सपना
सबक सिखाकर दुशमन को करें नहीं अभिमान
भारत का गौरव गान

दीन हीन को दिया सहारा अश्रु धारा रोकी है
निर्बल को बल देकर ज्यान स्वम की झोंकी है
महेन्द्र सिंह इस देव धरा को पुजे सकल जहान
भारत का गौरव गान

लघुकथा | सुरेश हिंदुस्तानी

दुआ का असर

ममता ! अरी ओ ममता ! अरे आज आप ऑफिस से जल्दी आ गए। अरविन्द के चेहरे पर कुछ उदासी के भाव थे। अरविन्द ने कहा ममता जल्दी से बैग में कपडे रखो। हमें शाम की ट्रेन से भोपाल निकलना है। पिताजी की तबियत खराब है। मैंने ट्रेन के दो टिकट ऑनलाइन बुक कर लिए हैं। ममता ने भी वक्त को समझा और झटपट कपड़े निकालने लगी। जनवरी का महीना होने के कारण सर्दी से बचने के लिए गर्म कपड़े भी निकाल लिए। तैयारी करते करते साढ़े चार बज गए। अरविन्द ने कहा हमें अभी निकलना चाहिए। ट्रेन छह बजे की है। 15 से 20 मिनट स्टेशन पर ही लग जाते हैं। दोनों बाहर आए और ऑटो रिक्शा करके स्टेशन चल दिए। लगभग 40 मिनट बाद स्टेशन पहुँच गए और ट्रेन पकड़ी। इसी ट्रेन में एक मजदूर दम्पति भी अपने दो छोटे बच्चों के साथ सफर कर रहे थे। जब ट्रेन आगरा से निकली, तब सर्दी ने अपना असर दिखाना प्रारंभ कर दिया। मजदूर दंपत्ति पर ठण्ड का असर दिखने लगा था। हाँ मजदूर की पत्नी एक पतला सा शाल ओढ़े हुए थी। बच्चे भी नाम मात्र को गर्म कपड़े पहने हुए थे। मजदूर की हालत देख अरविन्द ने रघुनाथ से पूछ ही लिया कि आप गर्म कपड़े पहन लीजिए। रघुनाथ ने बात को सुनते हुए भी अनसुना कर दिया। तभी अरविन्द ने कहा ममता मेरा वह गर्म बनियान निकाल देना जरा। ममता भी सेवा भावी स्वभाव की थी इसलिए उसने तत्काल ही गर्म कपड़ा निकाल दिया। रघुनाथ ने कहा कि रहने दीजिए साहब। तब अरविन्द ने कहा - मुझे अपना बड़ा भाई समझकर ले लीजिए। इसके बाद रघुनाथ ने धीरे से अपना हाथ बढ़ाया, लेकिन फिर से हाथ रुक गए। अरविन्द ने जबरदस्ती गर्म कपड़ा रघुनाथ के हाथ में रख दिया। अरविन्द ने कहा कि अब इसे पहनो। रघुनाथ को अरविन्द के इस शब्द में अपनत्व दिखा और वह कपड़ा पहन लिया। मजदूर की पत्नी ने अरविन्द को दुआ देते हुए कहा कि भाई साहब आज के जमाने आपके जैसे बहुत कम लोग हैं। अब रघुनाथ को सर्दी का अहसास नहीं था। उसकी बातों में भी खुलापन आ गया। रघुनाथ ने अरविन्द से कहा कि भाई साहब आप इतने अच्छे मन के है तो आपके पिता बहुत अच्छे होंगे। उनको भगवान लम्बी उम्र दे। इतने में ही अरविन्द को अपने पिता का ध्यान आया। अरविन्द ने ममता से कहा कि पता नहीं पिताजी की तबियत कैसी होगी। यह बात मजदूर की पत्नी ने भी सुनी। उसने कहा भाई साहब आपके पिताजी को कुछ नहीं होगा। वो ठीक हो जाएंगे। इतने में ट्रेन में नींद का झोंका आ गया, लेकिन आँखों से नींद दूर ही थी। फिर भी अपनी अपनी सीट पर लेट गए। सुबह पांच बजे ट्रेन भोपाल पहुँच गई। रघुनाथ ने अरविन्द का सामान उतारने में मदद की। उन्होंने स्टेशन से ऑटो किया और घर पहुँच गए। चूँकि पिताजी अस्पताल में भरती थे, इसलिए ममता और अरविन्द अस्पताल चल दिए। अस्पताल में अरविन्द के बड़े भाई प्रवीण भी मिल गए। अरविन्द को देखकर प्रवीण की आँखों में आंसू आ गए। अरविन्द भी किसी अनहोनी की आशंका से भयभीत हो गया। इतने में ही चिकित्सक आ गए। चिकित्सक ने कहा कि कल रात्रि तक आपके पिताजी की तबियत बहुत खराब थी। कोई दवा भी काम नहीं कर रही थी। अब यह ठीक लग रहे हैं। ऐसा लगता है कि इन पर दवाओं का नहीं किसी की दुआ का असर हुआ है। तभी यह बच गए। वरना हमने तो उम्मीद ही छोड़ दी थी। चिकित्सक के इतना कहने के बाद ही ममता और अरविन्द के सामने ट्रेन वाले मजदूर के परिवार का चेहरा घूम गया। अरविन्द को महसूस हुआ कि दुआओं का असर होता है।

साहित्य के प्रति युवा पीढ़ी की घटती रुचि का मुख्य कारण करियर बनाने की गला- काट स्पर्धा है। हमें ऐसा नूतन व गूढ़ सृजन करना होगा जिससे हमारी युवा पीढ़ी में साहित्य के प्रति अनुराग पैदा हो । सकारात्मक प्रयासों से युवा पीढ़ी को साहित्य से जोड़ सकते हैं ।

साक्षात्कार | शशि कांत चौहान

नूतन सृजन युवाओं में साहित्य के प्रति अनुराग पैदा करेगा: गुलिया

कहते हैं साहित्य समाज का दर्पण है लेकिन साहित्य दर्पण से भी बढ़कर है क्योंकि दर्पण तो किसी वस्तु का बाह्य रूप दर्शाता है, जबकि साहित्य समाज के अन्तर्मन की अभिव्यक्ति है। साहित्य समाज के मूल्यों का निर्धारक है। यह बात साहित्यकार राजपाल सिंह गुलिया ने हरिभूमि से विशेष बातचीत में कही।

उनका कहना है कि साहित्य समाज का एक सशक्त अंग होता है। साहित्य अतीत से प्रेरणा लेता है, वर्तमान को चित्रित करता है तथा भविष्य का मार्गदर्शन करता है। किसी भी लेखक के लेखन का आरम्भ स्वान्तः सुखाय होता है। दूसरे शब्दों में कहें तो लेखन रचनाकार का साहित्यिक अभिव्यक्ति में भोगा हुआ यथार्थ होता है। जो एक सुनिश्चित स्वरूप व खास शिल्प में आमजन के सामने आता है। यह गढ़ना या गढ़ने की क्षमता उसे आम से खास बनाती है। राजपाल सिंह गुलिया का जन्म 27 दिसम्बर 1964 को गाँव जाहिदपुर, झज्जर (हरियाणा) में हुआ। उनके पिताजी का नाम श्री धुपल सिंह व माता जी का नाम श्रीमती खीमा देवी है। मेरे मात-पिता पढ़े लिखे भले नहीं थे, मगर ये उनकी दूरदर्शिता का परिणाम था कि उन्होंने बच्चों को न केवल साक्षर बल्कि शिक्षित भी किया। गाँव में पाँचवीं तक की प्राथमिक पाठशाला होने के कारण सभी बहनों को कक्षा पाँच तक पढ़कर ही संतोष करना पड़ा, लेकिन राजपाल ने सन 1984 में नेहरू कालेज झज्जर से बी.ए. पास किया उधर घर वालों ने शादी तय कर दी। परिवार में कोई साहित्यक माहौल नहीं था, मगर कालेज के दिनों में शेरो शायरी का शौक तो था, लेकिन उन्होंने उसे गंभीरता से नहीं लिया । शादी के पश्चात वह 06 दिसम्बर 1985 को भारतीय सेना की सेना शिक्षा कोर में शिक्षा अनुदेशक के पद पर भर्ती हो गए। सेना में सेवाकाल के दौरान दूसरा स्थानांतरण पठानकोट हुआ तो यहीं से लेखन का सूत्रपात हुआ। ब्रिगेड के पुस्तकालय का चार्ज लेते ही लगा कि बरसों की मुराद अब पूरी हुई है। वहाँ पर रामधारी सिंह दिनकर, अमृतलाल नागर, रांगेय राघव, मुंशी प्रेमचंद और भी न जाने कितने स्वनाम धन्य लेखकों की पुस्तकें पढ़ीं, क्योंकि घर में या घर से दूर-दूर तक साहित्य का 'स' तक नहीं था। उन दिनों दैनिक ट्रिब्यून में सोमवार को कथा-कहानी परिशिष्ट आता था। वह भी उस पत्र में लिखना चाहते थे, लेकिन उनके एक शुभचिंतक ने चेताया कि आप सेना में रहते हुए नहीं लिख सकते । सारा जोश ठंडा हो गया। उसने आगे बताया कि आप अपनी पत्नीं के नाम से रचना भेज सकते हैं । एक अनुभवी साथी ने बताया कि आप लिख सकते हैं, मगर उसमें सेना की छवि को धूमिल करने वाली बात या सेना संबंधी कोई सूचना नहीं होनी चाहिए । बस फिर क्या था, 24 जनवरी 1996 को पहली लघुकथा 'डायन ' प्रकाशित हुई । फिर तो सिलसिला चल निकला पंजाब केसरी में 'खबरों की मुरम्मत' कॉलम के लिए साल दो साल खबरों की मुरम्मत भी की। पठानकोट से स्थानांतरण के बाद समाचार-पत्रों में प्रकाशन का सिलसिला बंद हो गया। सेना की घुमंतु व भागदौड़ भरी दिनचर्या ने लेखन लगभग भूला ही दिया। सन 2005 में सेना से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के पश्चात उस्ताद लोगों से छंद का ज्ञान लिया तथा दोहे, कुण्डलिया , बालगीत , कह मुकरी व मुक्तक आदि रचने प्रारंभ किए । मात्रिक ज्ञान डॉक्टर श्याम सखा 'श्याम' व डॉक्टर रामनिवास मानव से लिया तथा कुण्डलिया छंद की बारीकियाँ त्रिलोक सिंह ठकुरेला से जानी। उन्होंने गंभीर लेखन उम्र के उस पड़ाव में प्रारंभ किया जिस उम्र में बहुत से नौजवान शायर ग़ज़ल कहना छोड़कर अपनी घरेलू जिम्मेदारियाँ संभाल लेते हैं। उनके प्रथम दोहा संग्रह 'उठने लगे सवाल' का विमोचन हिमाचल प्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने 06 नवम्बर 2018 को हरियाणा साहित्य अकादमी सभागार पंचकुला में किया था।

प्रकाशित पुस्तकें

उनकी अनेक कृतियां प्रकाशित हो चुकी हैं। उनके विभिन्न विधाओं में लिखी पुस्तकों में उठने लगे सवाल (दोहा संग्रह), इतनी सी फ़रियाद (कुंडलियाँ संग्रह), निर्मल देश हमारा (बाल कविता संग्रह), देगा कौन जवाब (दोहा संग्रह), समकालीन दोहा कोश, दोहा द्वीप, दोहा दर्पण, आधुनिक दोहा, मानक कुंडलियाँ, 101 प्रतिनिधि दोहाकार, दोहे के सौ रंग, दोहे मेरी पसंद के, मनोभाव की अभिव्यक्ति, नयी सदी के दोहे, हिंदी हाइकु कोश, बूँदों की चौपाल, अभिनव कुंडलियाँ , कुंडलियाँ कुसुम, इक्कीसवीं सदी की कुंडलियाँ, आज के दोहाकार,समकालीन कुंडलियाँ शतक, समकालीन दोहा शतक, मन का मनका फेरते तथा दोहा द्वीप आदि शामिल हैं। इसके अलावा देश के स्तरीय पत्र – पत्रिकाओं में भी गुलिया की रचनाओं का निरन्तर प्रकाशन होता रहता है।

राजपाल सिंह गुलिया

पुरस्कार व सम्मान

राजपाल सिंह गुलिया को विभिन्न प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा जा चुका है, इनमें शब्द गुंजन दोहा सम्मान 2018, निर्मला स्मृति हरियाणा गौरव सम्मान 2019, उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान, नवसृजन कला प्रवीण अवार्ड, निर्मला स्मृति हिन्दी साहित्य गौरव सम्मान 2021, अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' स्मृति सम्मान, कादम्बरी स्व. भगवती प्रसाद दुबे सम्मान, डॉ. स्वर्ण किरण शिखर बाल साहित्य सम्मान व चौधरी गुगन राम सिहाग साहित्य वाचस्पति सम्मान शामिल हैं। वे दोहा, कुंडलिया, ग़ज़ल, नवगीत, बाल गीत व मुक्तक विधाओं में लिखते हैं।

व्यक्तिगत परिचय

नामः राजपाल सिंह गुलिया
जन्म : 27दिसम्बर 1964
शिक्षा : स्नातक , शिक्षण में डिप्लोमा .
संप्रति : सेना शिक्षा कोर में शिक्षा अनुदेशक (19 वर्ष) व हरियाणा शिक्षा विभाग में अध्यापक (17 वर्ष) पद से सेवानिवृत्ति के पश्चात अब स्वतंत्र लेखन ।

घटनाओं की विस्तृत जानकारी देती 'समग्र सामयिकी'

पुस्तक : समग्र सामयिकी
लेखक : नृपेन्द्र अभिषेक नृप
मूल्य : 249 रुपये
प्रकाशक : किताब राइटिंग

पुस्तक समीक्षा | मनीषा मंजरी

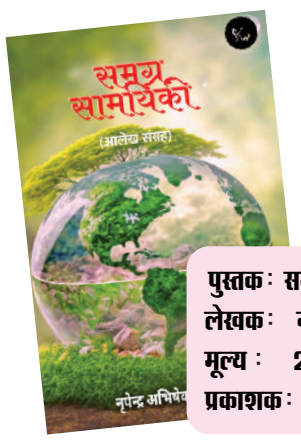

आलेख लेखन हिंदी साहित्य की एक ऐसी कला है, जिसके द्वारा विभिन्न क्षेत्रों के ज्ञान से पाठकों को अवगत कराने की कोशिश की जाती है। वर्तमान में घटित हो रही घटनाओं को अतीत और भविष्य के प्रभावों से जोड़कर आलेखों को सूक्ष्मता से विश्लेषित किया जाता है। आलेख कला मुख्यतया विवादास्पद मुद्दों पर प्रकाश डालती है जिनके विषय वृहद होते हैं, जैसे राजनीति, पर्यावरण, कानून, विज्ञान- प्रौद्योगिकी, अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध, सामजिक, आर्थिक इत्यादि। वैचारिक और बौद्धिक मतभेदों से जूझते समकालीन स्थितियों को समझते हुए प्रसिद्ध लेखक, स्तंभकार, निबंधकार एवं शोधार्थी नृपेंद्र अभिषेक नृप अपनी तीसरी पुस्तक 'समग्र-सामयिकी' लेकर आये हैं। जिसमे विभिन्न विषयों पर आधारित पैंतीस आलेखों को कलमबद्ध किया गया है। छह खण्डों में विभक्त ये पुस्तक रोचक मुद्दों की सजग विवेचना करती है। यूँ तो जब ये पुस्तक हाथों में आती है तो सामान्य सी प्रतीत होती है, परन्तु पृष्ठ दर पृष्ठ पलटते हुए कब आप आखरी पन्ने तक पहुँच जाते हैं ये आभास हीं नहीं रहता।

नृपेंद्र अभिषेक अपनी पुस्तक की शुरुआत पर्यावरण सम्बन्धी मुद्दों से करते हैं, जहां उन्होंने पर्यावरण संकट के कारण पृथ्वी को होने वाली क्षति और विनाशकारी प्रभाव की गूढ़ चर्चा की है। उन्होंने इस तथ्य को गहनता से समझाया है कि मानव अपने विकास की तर्ज पर किस तरह धरती का सबसे बड़ा शत्रु बन बैठा है। अपने दूसरे आलेख में वो प्लास्टिक प्रदूषण की सांख्यिकीय विवेचना करते हैं, वहीं जैव-ईंधन के लाभ प्रयासों के बारे में जानकारी देते हैं।

दूसरे खंड की ओर अग्रसर होते हीं विज्ञान और प्रौद्योगिकी से सम्बंधित मुद्दे प्रकाश में आते हैं, जहां उन्होंने ग्रीन हाइड्रोजन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, टेस्ट ट्यूब बेबी तकनीक आदि जैसे विकसित हो रहे तकनीकों से भविष्य को नयी उम्मीदों की रौशनी को संरचित होते बताया है। विभिन्न रिपोर्ट और आंकड़ों के आधार पर नृपेंद्र अभिषेक भुखमरी के बढ़ते स्तर से अवगत कराते हैं और सरकारी प्रयासों की चर्चा करते हैं। इसी प्रकार वो बाल-श्रम, बढ़ती आबादी, बेरोजगारी और सड़क हादसों जैसे विषयों का सूक्ष्म विश्लेषण प्रस्तुत करते हैं। इस तरह ये पुस्तक आर्थिक विषयों के खंड तक पहुँचती है और गिग इकॉनमी, जैविक खेती की चुनौतियों से हमारा परिचय करवाती है।

खबर संक्षेप

गीता भवन मंदिर में भागवत कथा आज से

हिसार। आध्यात्मिक गीता ज्ञान प्रचारिणी सभा, मोहल्ला रामपुरा के तत्वाधान में 6 से 12 मई तक गली नंबर 5 स्थित गीता भवन मंदिर में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। सेवादार सत्यनारायण शर्मा एडवोकेट ने बताया कि कथा के पहले दिन सायं 4 बजे गीता भवन मंदिर से कलश यात्रा प्रारंभ होगी जो आसपास के क्षेत्रों से होते हुए वापस कथा स्थल पर पहुंचेगी। गोवर्धन धाम से पंडित प्रदीप बृजवासी भागवत कथा में रोजाना सायं 4 से 7 बजे तक प्रवचन देंगे। 12 मई को सायं 5 बजे हवन के उपरांत प्रसाद वितरण किया जाएगा।

कूड़ा कर्कट उठाने का काम बंद होने से लोग परेशान

आदमपुर। आदमपुर शहर में पिछले एक सप्ताह से सफाई कार्य न होने एवं कूड़ा करकट न उठाने से गंदगी के ढेर लग रहे हैं। इसके चलते दुकानदारों व महिलाओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस बारे में दुकानदारों व महिलाओं ने बताया कि पिछले कई दिनों से नगरपालिका की गाड़ी कूड़ा कर्कट लेने नहीं आ रही है, न ही गलियों में बाजारों में बड़ा कूड़ा उठाया जा रहा है। इसके चलते गंदगी का आलम बन गया है। इन्होंने प्रशासन से समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की है ताकि परेशानी से बचा जा सके।

कांग्रेस नेतृत्व वाले दलों का देशहित में कोई विजन नहीं

हिसार। हिसार लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार रणजीत सिंह ने इस बार के लोकसभा चुनाव को विचारधाराओं के बीच का चुनाव बताया है। रणजीत सिंह लोकसभा क्षेत्र के गांव अलेवा में रविवार सुबह ग्रामीणों के साथ चाय पर चर्चा के दौरान बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व वाले दलों का कोई विजन नहीं है, देश व देश के विकास से कोई लेना-देना नहीं है।

उपचुनाव में धोखा करने वालों को सिखाएं सबक

हिसार। इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार जयप्रकाश ने आदमपुर क्षेत्र की जनता से आह्वान किया है कि वह उपचुनाव के दौरान धोखा करने वालों को सबक सिखाने के लिए कमर कस लें। उन्होंने कहा कि उपचुनाव के समय जिस मुख्यमंत्री ने क्षेत्र से वादे किए थे, जनता उन वादों को याद करके इस लोकसभा चुनाव में वोट का फैसला करें। जयप्रकाश रविवार को आदमपुर क्षेत्र के गांवों का दौरा करके जनसभाओं में क्षेत्रवासियों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान कांग्रेस व इंडिया गठबंधन के अनेक नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्माइल क्लब ने किया सुनैना चौटाला का स्वागत

हिसार। हिसार लोकसभा से इनेलो प्रत्याशी सुनैना रविवार सुबह स्माइल क्लब के सदस्यों से मिलने के लिए क्लॉथ मार्केट पहुंची। वहां क्लब के गोपाल खेड़ा व अन्य सदस्यों ने उनका स्वागत किया। गोपाल खेड़ा ने बताया कि स्माइल क्लब 105 परिवारों का समूह है जिसमें सभी लोग मिलजुल कर सभी खुशी-गम व अन्य सामाजिक कार्य इत्यादि साथ मिलकर करते हैं। क्लब की ओर से सुनैना चौटाला को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। सुनैना चौटाला ने कहा कि ये बहुत अच्छी बात है कि 105 परिवारों का समूह इस प्रकार से मिलजुल रहता है।

जिन्दगी संस्था गांव-शहर में नुक्कड़ सभाओं से करेगी जनता को मतदान के लिए जागृत

लोकसभा के प्रत्याशियों तक पहुंचेगा 'जनबल का उम्मीद पत्र'

विकास से जुड़ी मुख्य मांगों से बना है उम्मीद पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

लोकसभा चुनाव के चुनावी रण में अब सामाजिक संस्थाएं भी अपनी भागीदारी करते हुए आगे आने लगी हैं। इस कड़ी में क्षेत्र की प्रमुख सामाजिक संस्था जिन्दगी ने गांव-शहरी क्षेत्र में नुक्कड़ सभाओं से लोगों को मतदान के प्रति जागृत करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही संस्था सिरसा संसदीय क्षेत्र से चुनावी मैदान में उतरे सभी प्रत्याशियों को क्षेत्र के विकास से जुड़ा एक 'जनबल का उम्मीद पत्र' भी सौंपेगी।

संस्था अध्यक्ष हरदीप सिंह ने कहा कि सिरसा संसदीय क्षेत्र के अधीन आने वाला जिला फतेहाबाद हर तरह के विकास में पिछड़ेपन का शिकार है। चुनावी रण में उतरे सभी उम्मीदवार केवल अपनी पार्टी और विरोधी पर आरोपों की झड़ी लगाकर वोट मांग रहे हैं। कोई भी उम्मीदवार विकास से जुड़े मुद्दों पर जनता के बीच अपना विजन स्पष्ट नहीं कर पा रहा है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए संस्था ने सिरसा संसदीय सीट पर चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों भाजपा के अशोक तंवर, कांग्रेस की कुमारी सैलजा, इनेलो के संदीप लोट, जेजेपी के रमेश खटक सहित सभी उम्मीदवारों को जनता की उम्मीदों से भरा एक उम्मीद पत्र सौंपने का निर्णय लिया है। जनबल के इस उम्मीद पत्र में जिला फतेहाबाद की खेल, शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, कृषि और यातायात सुधार सबंधी सात मुख्य मांगों को शामिल किया गया है। हरदीप सिंह ने बताया कि लोगों को मतदान के प्रति जागृत करने के लिए भी संस्था शहर व गांवों में नुक्कड़ सभाएं करेगी, ताकि अधिक से अधिक मतदाता उमीदों पर खरा उतरने वाले अच्छे उम्मीदवार का चयन कर सकें।

जनबल के उम्मीद पत्र में शामिल हैं ये प्रमुख मांगे

1. जिला मुख्यालय पर केंद्रीय स्तर का एक इंजीनियरिंग कॉलेज बनाया जाए। केंद्रीय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों के तहत जिला मुख्यालय में एक विश्वविद्यालय बनाया जाए।
2. फतेहाबाद में अंतराष्ट्रीय स्तर का हॉकी खेल स्टेडियम या शाहाबाद की तर्ज पर श्रेष्ठ सुविधाओं से लैस हॉकी ट्रेनिंग व कोचिंग सेंटर बनाया जाए।
3. फतेहाबाद जिला मुख्यालय रेलवे से जोड़ने की मांग जल्द पूरी होती नहीं दिखाई देती। इसके विकल्प के रूप में सबसे नजदीक स्थित भट्टू रेलवे स्टेशन को अपग्रेड किया जाए।
4. जिला फतेहाबाद में हार्ट रोगियों के लिए पीजीआई चंडीगढ़ की तर्ज पर एडवांस कार्डिएक सेंटर व राष्ट्रीय स्तर का एक कैंसर अस्पताल व दिमागी चोट-रोगों के उपचार हेतु ट्रामा सेंटर खोला जाए।
5. जिला मुख्यालय पर केंद्रीय स्तर की कोई बड़ी इंडस्ट्री या लॉजेस्टिक हब स्थापित की जाए ताकि जिला फतेहाबाद में भी रोजगार की नई संभावनाएं जगे।
6. केंद्र सरकार की उडान योजना के अनुसार प्रत्येक जिला मुख्यालय पर एक हवाई पट्टी होनी चाहिए। भविष्य में जिला फतेहाबाद में भी हवाई यातायात सुविधाओं की संभावनाओं के मध्यनजर उड़ान योजना के तहत हवाई पट्टी बनाई जाए। साथ ही विशेष एयर स्ट्रिप बनाया जाए, जिससे भविष्य में हवाई सेवाओं का लाभ जिला फतेहाबाद को भी मिल सके।
7. जिला फतेहाबाद पराली प्रबंधन के लिए केंद्र सरकार की तरफ से कोई बड़ा प्लांट लगाया जाए, सरकार की तरफ से भी जिला में सेम समस्या के समाधान के लिए विशेष रिसर्च करवाकर स्थाई समाधान की तरफ कदम बढ़ाए जाएं। गिरते भू-जल स्तर को सुधारने के लिए सांसद कोटे से पंचायती या सरकारी जगहों पर बड़े रिचार्ज प्लांट लगाए जाएं।

घर में घुसकर नाबालिग से छेड़छाड़

- आरोपी ने बुरी नीयत के चलते छोटी लड़की को 50 रुपये देकर चीज लेने भेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भूना

गांव नाढोड़ी के एक घर में घुस कर नाबालिग लड़की से अश्लील हरकत करते हुए उसके साथ छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता के पिता की शिकायत पर आरोपी ईश्वर सिंह के खिलाफ पोक्सो एक्ट के साथ साथ आईपीसी की धारा 452, 354 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पीड़िता के पिता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 4 मई की दोपहर बाद उसकी दो बेटियां कमरे में सोई हुई थी। इसी दौरान ईश्वर सिंह नामक व्यक्ति उनके कमरे में घुस गया और छोटी बेटी को 50 रुपये देकर दुकान पर चीज लेने के लिए भेज दिया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उसकी 17 वर्षीय बड़ी बेटी के साथ आरोपी बुरी नीयत के चलते जबरदस्ती छेड़खानी करने लगा, जिससे उसकी बेटी की जोर से चीखने और रोने की आवाज आने लगी। बेटी की चीखने की आवाज सुन कर वह जल्दी से उसके पास गया तो ईश्वर सिंह अश्लील हरकत कर रहा था, जिसको उसने मौके पर पकड़ लिया और थप्पड़-मुक्के से आरोपी की पिटाई भी की। क्योंकि उसकी लड़की के साथ अश्लील हरकत कर रहा था। आरोपी की हरकत पर उन्हें ऐसा करने से मना किया और शोर मचाना शुरू किया तो आरोपी अचानक उसे धक्का देकर मौके से भाग गया। पीड़िता के पिता ने पुलिस से गुहार लगाते हुए आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पोक्सो एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज

महिला पुलिस जांच अधिकारी एसआई शिक्षा देवी ने बताया कि आरोपी ईश्वर सिंह के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। थानाध्यक्ष संदीप कुमार ने बताया कि खंड भूना के एक गांव की नाबालिग लड़की के कमरे में घुसकर ईश्वर सिंह नामक व्यक्ति पर अश्लील छेड़छाड़ करने की शिकायत मिली थी। जिस पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पोक्सो एक्ट के साथ-साथ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।

साइबर ठगों ने रतिया के एक व्यक्ति को बनाया निशाना, 31 हजार चुराये

फतेहाबाद। साइबर ठगों ने रतिया के गांव महमदकी निवासी एक व्यक्ति को अपना निशाना बनाते हुए उसके बैंक खाते से 31 हजार रुपये चोरी कर लिए। इस बारे पीड़ित व्यक्ति की पत्नी ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई है। इस बारे रतिया पुलिस को दी शिकायत में गांव महमदकी निवासी महिला संदीप कौर ने कहा है कि उसके पति गुलाब सिंह का बैंक ऑफ बड़ौदा में खाता है। कुछ दिन पूर्व अज्ञात व्यक्ति जिसका नाम पियुष रवि इंगल लिखा आ रहा है, ने फ्रॉड करके उसके पति के खाते से गलत तरीके से उसके फोन पे नंबर का प्रयोग करके 21 हजार रुपये चोरी कर ले गए है। जब उन्हें इस धोखाधड़ी का पता चला तो उन्होंने इस बारे साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज करवाई। अब शनिवार को रतिया पुलिस ने अज्ञात युवक के खिलाफ धोखाधड़ी व चोरी के आरोप में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नशे के आदी युवक ने घर से सिलैण्डर चुराकर बेचे, केस दर्ज

फतेहाबाद। गांव बहबलपुर में नशे के एक आदी एक युवक द्वारा अपने ही घर से सिलैण्डर चोरी कर बेचने का मामला सामने आया है। इस बारे युवक के पिता ने पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस ने आरोपी युवक व सिलैण्डर खरीदने वाले दुकानदार के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शियाकायत में गांव बहबलपुर निवासी मनप्रीत सिंह ने कहा है कि वह गांव में आरएमपी डाक्टर का काम करता है। उसका लड़का हरसिमरन सिंह नशे का आदी है और अक्सर घर से बाहर रहता है। गत दिवस घर पर कोई नहीं था। दोपहर को वह दुकान से घर आया तो देखा कि घर में रसोई में रखे दो गैस सिलैण्डर गायब थे। जब उसने इस बारे अपने स्तर पर जांच की तो पता चला कि उसके लड़के हरसिमरन ने दोनों सिलैण्डरों को चोरी कर आगे इन्हें किराणे की दुकान करने वाले तेजराम को बेच दिया है।

बंपर आवक फिर अभी पिछले साल से साढ़े छह लाख क्विंटल कम आवक

- एक अप्रैल से मंडियों में अब तक 75 लाख क्विंटल से ज्यादा गेहूं की आवक दर्ज की जा चुकी

हरिभूमि न्यूज. सिरसा

जिला की अनाज मंडियों व खरीद केंद्रों पर गेहूं की आवक निरंतर जारी है। 15 मई तक सरकार की ओर से समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीद की जाएगी। कृषि अधिकारियों के अनुसार जिला में इस बार गेहूं की बंपर पैदावार हुई है लेकिन फिर भी अभी तक पिछले साल की तुलना में मंडियों में करीब छह लाख क्विंटल कम गेहूं की आवक मंडियों में हुई है। एक अप्रैल से मंडियों में अब तक 75 लाख क्विंटल से ज्यादा गेहूं की आवक दर्ज की जा चुकी है। हालांकि पिछले वर्ष 3 मई और इस बार 3 मई की तुलना करें तो अब तक अढाई लाख क्विंटल ज्यादा गेहूं मंडी में पहुंचा है। पिछले साल इस समय तक मंडियों में पौने 73 लाख क्विंटल गेहूं ही पहुंचा था। लेकिन ओवरऑल में अभी आवक पिछले साल की तुलना में कम है। समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदने के अभी 10 दिन बचे हुए है और इस समया अवधि में पिछले साल का आंकड़ा पार करने की संभावना है।

50 प्रतिशत उठान बाकी:

गेहूं व सरसों की उपज खरीद के बाद उठान न होने के कारण जिला की मंडियों तथा खरीद केंद्रों पर स्थिति में अभी तक ज्यादा सुधार नहीं आया है। इस वर्ष हैंडलिंग व परिवहन ठेका को लेकर प्रशासन की ओर से समय पर ध्यान नहीं दिया गया। जिसके चलते ही यह परेशानी किसानों व आढ़तियों को झेलनी पड़ी। इसके साथ ही ठेकेदार पर किसी प्रकार की सख्त कार्रवाई न होना भी कमजोर उठान का सबसे बड़ा कारण रहा है। निर्धारित संख्या में गाडियां ठेकेदार की ओर से उपलब्ध न करवा पाने के चलते ही मंडियों व खरीद केंद्रों पर अव्यवस्था की स्थिति बनी है। उधर, प्रशासन लोकसभा चुनाव के चलते लेबर की कमी का बहाना बनाकर अपनी जम्मिदारी से बचता रहा। आज की बात करें तो अभी भी मंडियों में खरीद की तुलना में उठान 50 प्रतिशत से ज्यादा बाकी

नाटक के माध्यम से मतदान के लिए किया प्रेरित

नारनौंद। केंद्रीय संचार ब्यूरो हिसार मंडल की तरफ से माजरा प्याऊ आईटीआई में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें नुक्कड़ नाटक के माध्यम विद्यार्थियों द्वारा संदेश दिया गया कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक मतदाता को वोट डालना जरूरी है। मतदाता को आगामी लोकसभा चुनाव में बूथ पर जाकर वोट डालने के लिए प्रेरित किया। यह कार्यक्रम यूथ एजुकेशन सोसाइटी जींद की तरफ से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर अक्षय तृतीया प्रचार अधिकारी दौलतराम ने शिरकत की। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने लोगों को घरों से निकलकर बूथ तक पहुंचने का संदेश दिया। इसी के साथ उन्होंने 25 मई को चुनाव उत्सव मनाने के लिए प्रेरित किया। नाटक मंडली के कलाकार रमेश सैनी, किरण गिल, सीमा राजीव, सुरेंद्र व सतीश इत्यादि ने नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों को मतदान के प्रति जागरूक किया।

श्री साईं पालकी शोभायात्रा निकाली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बरवाला

श्री सनातन धर्म हनुमान मंदिर की ओर से संचालित श्री सांई सेवा समिति बरवाला के तत्वावधान में एक शाम सांई के नाम के उपलक्ष्य में श्री सांई पालकी शोभायात्रा निकाली गई। प्रोजेक्ट चेयरमेन संजीव भाटिया और तरुण कक्कड़ ने बताया कि श्री सांई पालकी शोभायात्रा को मेन बाजार चौक से मुख्य अतिथि हनुमान मंदिर कमेटी संरक्षक व वरिष्ठ समाजसेवी भीम सैन मक्कड ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह शोभायात्रा मेन बाजार चौक से आरंभ होकर बरवाला शहर के विभिन्न वार्डों, चौक व गलियों से होती हुई वापिस अपने गंतव्य स्थान पर पहुंची। इस शोभा यात्रा में झांकियां भी दिखाई गई। मुख्य अतिथि संरक्षक भीम सैन मक्कड ने अपने संबोधन में श्री सांई बाबा की महिमाओं पर प्रकाश डाला और कहा कि जो भी श्रद्धालु सच्ची श्रद्धा से श्री सांई बाबा के दरबार में जाकर मन्नत व फरियाद मांगता है उस दरबार में उसकी मन्नत व फरियाद अवश्य पूरी होती है। इस अवसर पर प्रधान मदन लाल गिरधर, प्रोजेक्ट चेयरमेन टोनी गिरधर, मदन लाल चावला, संरक्षक सोमू रहेजा, हनी चुघ, सुनीता भाटिया, पूनम कक्कड़, किरण वासुदेवा, इंदु गिरधर, मनोज चुघ, रेलू नायक, ईश्वर, संजय वासदेवा, मास्टर मनोहर लाल रहेजा व सुभाष मक्कड़ समेत सैकड़ों श्रद्धालुगण मौजूद रहे।

बरवाला। श्री सांई पालकी शोभायात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते मुख्य अतिथि संरक्षक भीमसेन मक्कड व अन्य। फोटो: हरिभूमि

राजकीय विद्यालय हड़ौली के छात्रों ने 12वीं में किया शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा घोषित 12वीं कक्षा के परिणाम में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हड़ौली का परिणाम शानदार रहा। स्कूल की इस उपलब्धि पर खंड शिक्षा अधिकारी अनीता बाई और स्कूल के इंचार्ज कुलभूषण बंसल प्रवक्ता गणित ने सभी विद्यार्थियों, अध्यापकों, अभिभावकों और ग्राम वासियों को बधाई दी है। उन्होंने बताया कि विद्यालय की छात्रा पूजा रानी ने कला संकाय में 93.4 प्रतिशत अंक लेकर स्कूल में प्रथम स्थान, पूनम रानी ने 92.4 प्रतिशत अंक लेकर द्वितीय स्थान और समीना ने 92 प्रतिशत अंक लेकर तीसरा स्थान प्राप्त किया है। वाणिज्य संकाय में ज्योति देवी प्रथम, जशन सिंह द्वितीय और गगनदीप कौर तृतीय स्थान पर रही। कला संकाय में 14 बच्चों ने बोर्ड मेरिट प्राप्त की है जबकि 22 विद्यार्थियों ने 60 से 75 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। 16 विद्यार्थियों ने 75 से 90 प्रतिशत अंक और तीन विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए है। खंड शिक्षा अधिकारी अनीता बाई और स्कूल इंचार्ज कुलभूषण बंसल ने इस शानदार परिणाम का श्रेय विद्यार्थियों व अध्यापकों की मेहनत और ग्राम वासियों के सहयोग को दिया।

पलड़ की दुकान में आग से लाखों का नुकसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिवानी मंडी

शहर के मुख्य बाजार में शनिवार देर रात करीब 11 बजे एक पलड़ की दुकान मे आग लग गई। आग इतनी भयंकर थी की 7 दमकल की गाड़ियों से बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। रात को पड़ोसी घरों से बाहर आ गए। लोगों ने आरोप लगाया की दमकल की गाड़ियां एक घंटे बाद आई जिसके कारण नुकसान ज्यादा हुआ। दुकान मालिक अनिल के अनुसार दुकान में करीब 80 लाख का माल जल गया। जानकारी के अनुसार शहर के मुख्य बाजार में स्थित बाला जी पलड़ हाउस में शनिवार देर रात करीब 11 बजे आग लग गई। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। आग की सूचना मिलते ही लोगों ने दुकान मालिक और 112 को सूचना दी गई। दुकान मालिक अनिल गोठड़ी ने बताया कि सूचना के करीब 1 घंटे के बाद दमकल की गाड़ी पहुंची। आग पर काबू पाने के लिए हिसार और भिवानी से दमकल की गाड़ियां मंगवाने के बाद सुबह करीब 5 बजे आग पर काबू पा लिया गया। दुकान के ऊपर रहने वाले परिवार को सुरक्षित बाहर निकाला गया। आसपास पड़ोस के लोग घरों से बाहर निकल गए और दुकान के ऊपर बने मकान से एक परिवार को मौके पर निकाल लिया गया। किराए के मकान में रह रहे परिवार का आग लगने से सारा सामान जल राख गया। किसान सभा के प्रदेश सचिव दयानंद पूनिया ने कहा कि दमकल की गाड़ियां एक घंटा लेट पहुंची।

सिवानी मंडी। दुकान में आग लगने के बाद निकल रही लपटें।

टाइम पर पहुंचे : इंचार्ज

दमकल विभाग के कर्मचारी कृष्ण कुमार ने बताया कि घटना की सूचना के 10 मिनट बाद पहुंच गए। आग काबू पर पाने के लिए हिसार और भिवानी से दमकल की गाड़ियां मंगवाई गई थी।

65 विद्यार्थियों में पाठ्य पुस्तकें की वितरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

बाबा सरसाईनाथ बुक बैंक वेलफेयर ट्रस्ट सिरसा द्वारा तीसरा पुस्तक वितरण समारोह सिरसा की प्राचीन श्री गौशाला में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 65 छात्रों को पाठ्य पुस्तक एवं सात छात्रों को स्टेशनरी का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि आशीष सिंगला एडवोकेट व समाजसेवी अंबर कुमार अरोड़ा थे जबकि अध्यक्षता श्री गौशाला के प्रधान राजेंद्र प्रसाद रातुसरिया ने की। बुक बैंक के अध्यक्ष गुरदीप सैनी ने बताया कि पिछले 4 वर्षों से बुक बैंक विद्यार्थियों की सेवा कर रहा है। इस कार्यकाल में बुक बैंक द्वारा 1000 से अधिक विद्यार्थियों को अपनी सेवाओं का लाभ प्रदान किया गया है, जिसमें मुख्यतः पाठ्य पुस्तक उपलब्ध करवाना, इसके साथ-साथ पिता विहीन छात्रों को स्टेशनरी, फीस उपलब्ध करवाना भी शामिल है। उन्होंने समाज और बुद्धिजीवी वर्ग से आह्वान किया कि वे अपने घर में पड़ी पुस्तकों को बुक बैंक में सहयोग स्वरूप दें, ताकि अधिक से अधिक छात्रों को इसका लाभ मिल सके। बुक बैंक के महासचिव प्रेम कंदोई द्वारा बुक बैंक की कार्यप्रणाली के विषय जानकारी दी गई। मंच संचालन अनिल सैनी ने किया। इस मौके पर रतन सिंह, सीताराम खत्री, नवीन सिंगला, रणजीत सिंह टक्कर आदि रहे।

अध्यापक संघ ने जयप्रकाश से जाने मांगपत्र पर विचार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

- सरकार बनने पर मांगों को पूरा करवाने का दिया आश्वासन

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा से संबंधित हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ का शिष्टमंडल जिला प्रधान प्रमोद जांगड़ा के नेतृत्व में रविवार को इंडिया गठबंधन के हिसार लोकसभा क्षेत्र के प्रत्याशी जयप्रकाश से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने अध्यापक संघ के मांग पत्र पर उनके विचार जाने। अध्यापक संघ के जिला सचिव पवन कुमार ने बताया कि शिष्टमंडल में हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के राज्य महासचिव प्रभु सिंह, राज्य कार्यालय सचिव जयवीर सिंह, पूर्व जिला प्रधान सुरेंद्र सैनी, ब्लॉक हिसार के प्रधान संदीप मिरका, सर्व कर्मचारी संघ के हिसार ब्लॉक सचिव विनोद प्रभाकर, अध्यापक संघ के जिला वित्त सचिव वीरेंद्र सिंह, बिजेंद्र सिंह, कृष्ण भार्रि, कविता, रामफल, जयवीर टीआई व संतलाल आदि भी शामिल रहे। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार स्कूल मर्जर और चिराग योजना के तहत सरकारी स्कूलों को बर्बाद करने पर तुली हुई है। हरियाणा में शिक्षकों के हजारों पद खाली पड़े हैं। हरियाणा में अध्यापकों की भर्ती हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत की जा रही है जो युवाओं के साथ घोर अन्याय है।

खेत से किसान की हजारों की गेहूं चोरी

फतेहाबाद। गांव ढिंगसरा में अज्ञात चोरों ने एक खेत से किसान की हजारों रुपये कीमत की गेहूं चोरी कर ली। इस बारे पीड़ित किसान ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई है। भट्टूकलां पुलिस को दी शिकायत में गांव ढिंगसरा निवासी भाल सिंह ने कहा है कि वह खेतीबाड़ी का काम करता है और उसने ग्राम पंचायत ढिंगसरा की 38 कनाल जमीन ठेके पर काश्त करने के लिए ली हुई है। वह वर्ष 1998 से लगातार पंचायती भूमि ठेके पर लेकर काश्त करता आ रहा है। गत दिवस उसने करीब 8 क्विंटन गेहूं खेत में एकत्रित करके उसे ढककर रख दिया और घर आ गया था। रात करीब 10 बजे जब वह खेत में गया तो उसने देखा कि वहां सिर्फ 2 क्विंटल गेहूं की पड़ी थी जबकि 6 क्विंटल चोरी अज्ञात व्यक्ति चोरी करके ले गए थे।

स्वच्छ पर्यावरण का लोगों को दे रहे संदेश

अपने खर्च पर पौधरोपण कर रहे थाना प्रभारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जाखल

सेवा, सुरक्षा और सहयोग का नारा देने वाली हरियाणा पुलिस के कुछ जवान ऐसे भी हैं जो न केवल स्वयं खर्च कर पौधरोपण कर रहे हैं, बल्कि आमजन को भी स्वच्छ पर्यावरण के लिए पौधरोपण करने का संदेश दे रहे हैं। जाखल पुलिस थाना में ऐसा दृश्य देखने को मिला है। यहां थाना प्रभारी कुलदीप सिंह ने पहल करते हुए थाना के पुलिस कर्मियों और आमजन के सहयोग से थाने का माहौल ही परिवर्तन कर दिया है। इससे उन्होंने थाना की सुंदरता को चार चांद लगा दिए हैं। दरअसल कुछ समय पहले यहां प्रांगण में खाली पड़ी जगह पर गंदगी और झाड़ियां उगी हुई थी, लेकिन कहते हैं मन में कुछ कर गुजरने का जज्बा हो तो व्यक्ति क्या नहीं कर सकता।

करीब तीन-चार माह पहले जाखल थाना का कार्यभार संभालने के दौरान ही थानाध्यक्ष कुलदीप सिंह ने थाना को हरा भरा कर स्वच्छ पर्यावरण और पुलिस थाने को आकर्षक रूप देने की ठानी। अपने इस लक्ष्य पर चलते हुए थाना प्रभारी ने खाली पड़ी जगह में विभिन्न प्रकार के पौधे और फूल लगाकर थाने को स्वच्छ और हरा भरा बना दिया है। यूं कहें कि यहां थाना प्रभारी खाकी वर्दी पहन थाने में हरियाली का रंग चढ़ा रहे हैं। हालांकि थाना को हरा भरा बनाने के लिए थाना के पुलिसकर्मियों और आमजन द्वारा भी सहयोग दिया गया है, जबकि थानाध्यक्ष ने थाना परिसर में हरा भरा बनाने में विशेष भूमिका निभाई है। जाखल थाना में हरियाली युक्त माहौल बनाने के लिए थाना प्रभारी ने स्वयं 20 हजार रुपए खर्च किए हैं। बताया गया है कि कुलदीप सिंह जहां भी जाते हैं, वहां पौधे लगाने की मुहिम चलाते हैं। उन्होंने कहा कि रोपित किए गए पौधों के नियमित देखरेख भी की जाएगी। कुछ माह पहले जब कुलदीप सिंह की जाखल थाना में तनाती की गई। उनके मुताबिक उस समय थाना परिसर में अनेक झाड़ियां उगी हुई थी। जिसके बाद उन्होंने थाना के कर्मियों के साथ मिलकर यहां पर पौधरोपण मुहिम चलाई।

जाखल। थाने में पौधे लगाते थाना प्रभारी।

क्या कहते है जाखल थाना प्रभारी

इससे पहले में भट्टू थाना में कार्यरत होने पर वहां पर भी पर्यावरण को बढ़ावा दिया था, जिससे आज भी मुझे वहां पर याद किया जाता है। इसके बाद आज एक संदेश जाखल में भी दिया है। थाना में फूलदार पौधे लगाक्त बढ़िया बनाया गया है। इसके साथ ही खाली पड़ी जगह पर घास लगाकर इसका सौंदर्यीकरण किया गया है। ताकि कोई भी व्यक्ति यहां पर बैठ सकता है।

कुलदीप सिंह, थाना प्रभारी जाखल

खबर संक्षेप

चूरापोस्त सहित तस्कर गिरफ्तार, केस दर्ज

ओढां। सीआईए स्टाफ डबवाली टीम ने ओढां से एक युवक को 5 किलो 100 ग्राम डोडा चूरापोस्त सहित काबू किया है। सीआईए डबवाली प्रभारी विरेंद्र सिंह ने बताया कि पकड़े गए युवक की पहचान हरबंस निवासी ओढां के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पकड़े गए युवक के खिलाफ थाना ओढां में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी युवक हरबंस को अदालत में पेश करके पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में नाम पता मालूम कर उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अफीम के पौधों के साथ युवक काबू

सिरसा। रोड़ी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के गांव झोरड़ रोही क्षेत्र से एक युवक को 1 किलो 250 ग्राम अफीम के सुखे पौधों के साथ गिरफ्तार किया है। रोड़ी थाना प्रभारी रामचंद्र ने बताया कि थाना की पुलिस टीम को गश्त के दौरान महत्वपूर्ण सूचना मिली कि गांव झोरड़ रोही निवासी तरसेम सिंह ने अपने रिहायशी मकान की छत पर अफीम के पौधे रखे हुए हैं। उन्होंने बताया कि इस सूचना को पाकर पुलिस टीम ने गांव झोरड़ रोही में दबिश देकर आरोपी तरसेम सिंह को काबू कर उसके घर की छत से 1 किलो 250 ग्राम अफीम के सुखे पौधे बरामद कर लिए।

सलारपुर में चोरी के आरोपित गिरफ्तार

सिरसा। सदर थाना पुलिस ने बीते दिवस गांव सलारपुर के एक खेत से सबमर्सिबल मोटर का पंखा चोरी करने के मामले को महज 5 घंटे में सुलझाते हुए घटना के दोनों आरोपी युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। सदर थाना प्रभारी जगदीश कुमार ने बताया कि पकड़े गए दोनों युवकों की पहचान रमेश कुमार पुत्र गुरदेव व पवन कुमार पुत्र दलीप सिंह निवासी गांव माधोसिंघाना जिला सिरसा के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपियों की निशानदेही पर चोरीशुदा मोटर का पंखा तथा वारदात में प्रयुक्त बाइक भी बरामद कर लिया है।

धर्मशाला के लिए 1. 71 लाख रुपये दान

चोपटा। गांव नारायण खेड़ा निवासी स्व. लालचंद पूनिया की याद में उनकी धर्मपत्नी श्रीमती विद्या देवी व उनके पुत्र सेन कुमार, संजीव कुमार ने श्री बालाजी सेवा ट्रस्ट फतेहपुर दो जांटी धाम मे स्थित पैतालीसा धर्मशाला में कमरा नर्मिण के लिए 171,000 की राशि भेंट की। इस अवसर पर जगदीश प्रसाद पूनिया, प्रभु राम पूनिया, बलवंत पूनिया, धर्मपाल पूनिया, ओमप्रकाश पूनिया, पवन पुनिया,सुरेंद्र पूनिया, पृथ्वी सिंह, डप्टि कुमार, सुनील पारीक, हवा सिंह, मदन पूनिया, प्रभु राम गोरछिया सहित गांव के अनेक गणमान्य जन इस अवसर पर उपस्थित थे। श्री बालाजी सेवा ट्रस्ट के प्रधान सुभाष बेनीवाल, राधा कृष्ण बेनीवाल, पूर्व प्राचार्य पालाराम कासनीया, नंबरदार सोहनलाल शयोराण, हरि सिंह सहारण, रामस्वरूप कासनियां, जय नारायण सहारण, किशोरी लाल बश्नोई सहित संस्था के अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे।

लोकसभा चुनाव को लेकर अलर्ट पर अधिकारी

जनसभा और रैली खर्च के रिकार्ड पर पैनी नजर रखें चुनाव अधिकारी

चुनाव खर्च पर्यवेक्षक विजय सिंह ने चुनावी खर्च का ब्योरा रखने से संबंधित अधिकारियों के साथ की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▸▸ फतेहाबाद

फतेहाबाद। लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में अधिकारियों की बैठक लेते चुनाव खर्च पर्यवेक्षक विजय सिंह।

सिरसा लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले फतेहाबाद जिला में चुनाव को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने को लेकर भारत निर्वाचन आयोग की ओर से नियुक्त खर्च पर्यवेक्षक विजय सिंह ने रविवार को भूना रोड स्थित लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान जिलाधिकारियों ने चुनाव खर्च पर्यवेक्षक को फतेहाबाद जिला भर में चल रही चुनाव प्रक्रिया से संबंधित गतिविधियों के बारे में अवगत कराया। चुनाव खर्च पर्यवेक्षक विजय सिंह ने अधिकारियों के साथ विस्तार से समीक्षा की और उन्हें आवश्यक एवं जरूरी दिशा निर्देश दिए। बैठक उपरांत चुनाव खर्च पर्यवेक्षक विजय सिंह ने अधिकारियों के साथ शहर के खेमा खाती चौक, डीएसपी रोड, जवाहर चौक, तुलसीदास चौक, अरोडवंश धर्मशाला, रविदास चौक, गीता मंदिर रोड, रतिया रोड, बस अड्डा, लाल बत्ती चौक, फव्वारा चौक आदि क्षेत्रों का दौरा कर चुनाव गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने लोकसभा चुनाव 2024 को भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों अनुसार जिला में गठित की गई सभी टीमों के इंचार्ज व चुनाव प्रक्रिया में लगे अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ बैठक कर उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दल व चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी तथा नागरिक आदर्श आचार संहिता की पालना अवश्य करें। आदर्श आचार संहिता की पालना न करने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कानूनी कार्यवाही अमल में लाए। सभी अधिकारी व कर्मचारी अपने कर्त्तव्यों का पालन ईमानदारी व निष्ठा से निभाये। लापरवाही व कौताही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। चुनाव खर्च पर्यवेक्षक विजय सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि चुनाव को पारदर्शी ढंग से संपन्न करवाने के लिए चुनावी खर्च की कड़ी निगरानी के साथ-साथ प्रत्याशियों के चुनावी खर्च का रिकॉर्ड निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुरूप बिल्कुल सही ढंग से रखें। उन्होंने जिला में चुनावी खर्च का ब्योरा रखने के लिए नियुक्त किए गए अधिकारियों से उनके द्वारा किए जा रहे कार्य की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जो टीमें फील्ड में नियुक्त की गई हैं, उनसे प्रतिदिन रिपोर्ट लें। किसी भी जनसभा या रैली के खर्च का पूरा रिकॉर्ड रखें। जिला में कहीं भी शराब की तस्करी या अवैध बिक्री न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। इसी प्रकार से कैश के आदान-प्रदान पर भी कड़ी नजर रखी जाए। महंगे गिफ्टों पर निगाह रखनी जरूरी है।

फतेहाबाद में 3 अकाउंट टीमें, 9 एसएसटी टीमें और 12 एफएसटी टीमें कर रही काम

बैठक के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं नगराधीश कैप्टन परमेश सिंह व फतेहाबाद विधानसभा क्षेत्र के सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम राजेश कुमार ने चुनाव खर्च पर्यवेक्षक विजय सिंह बताया कि जिला में 3 वीएसटी टीम बनाई गई हैं और 3 वीडियो व्यूइंग टीमें, 3 अकाउंट टीमें, 9 एसएसटी टीमें और 12 एफएसटी टीमें हैं। उन्होंने बताया कि जिला में वाहनों की तलाशी लेने के लिए जिला भर में कई जगहों पर नाके लगाए गए हैं। नाकों पर एसएसटी टीमों द्वारा पुलिस अधिकारियों के साथ वाहनों की गहनता से छानबीन की जा रही है। जिला में अवैध रूप से शराब बिक्री व अन्य अवांछित सामान के आवागमन की रोकथाम के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। इस अवसर पर डीएसपी जयपाल सिंह, डीईटीसी गौरव चहल, एसएचओ रणजीत सिंह व प्रह्लाद सिंह, चुनाव नायब तहसीलदार राज कुमार सहित सभी टीमों के सदस्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

श्याम बगीची धाम में सजी भजन संध्या

सिरसा। श्याम बगीची धाम में आयोजित भजन संध्या में भजनों की प्रस्तुति देते भजन गायक।

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सिरसा

- भर दे रे श्याम झोली भर दे भजन पर झूमे श्रद्धालु

अनाज मंडी स्थित श्री श्याम बगीची धाम में शनिवार रात को एकादशी के उपलक्ष्य में भव्य भजन संध्या एवं श्री श्याम रसोई का आयोजन किया गया। श्याम बगीची धाम के मुख्य सेवादार पवन गर्ग ने बताया कि डियर सिरसा संस्था के संस्थापक सीए दरवेश स्वामी, सीए मोहित भारती, सीए चेतन झूंथरा ने पूजा अर्चना में भाग लिया। मंदिर के पुजारी राकेश शास्त्री ने पूजा अर्चना विधि विधान संपन्न करवाई। इसके बाद श्याम बाबा की पावन ज्योत प्रज्वलित की गई और बाबा श्याम की आरती की गई। सदैव की भांति राजेंद्र गनेरीवाला ने गणेश वंदना से भजन संध्या का आगाज किया। गनेरीवाला ने बाबा श्याम व श्री बालाजी महाराज के भजन प्रस्तुत किए। इसके बाद पिहोवा से आए भजन गायक जतिन जिंदल ने भजन-श्रीराम जनकी बैठे है मेरे सीने में, बोलो वीर हनुमाना अति बलवाना, छम-छम नाचे देखो वीर हनुमाना, लो आ ग्या खाटू वाला, भर दे रे श्याम झोली भर दे, कितनो बड़ो म्हारो भाग है बाबा मानै राजी राखो जी, हारे के सहारे आजा, मेरा दिल ये पुकारे आजा, आएगा-आएगा-आएगा नीलै चढ़ सांवरा आएगा, मेरा हाथ पकड़ ले रे कान्हा मन मेरा घबराए, दरबार सजो प्यारो सांवरिया थारौ सहित अनेक भजन प्रस्तुत किए। जिन पर श्याम प्रेमी रात भर झूमते रहे। सीए दरवेश स्वामी ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी नशे की ओर आकर्षित होकर अपना जीवन बर्बाद कर रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे का त्याग कर धर्म की राह पर चलना चहिए। उन्होंने कहा कि श्याम बगीची में युवाओं को सेवा करते देख बहुत अच्छा लगा। इससे अन्य युवाओं को भी प्रेरणा मिलेगी। वहीं रात को सवा नौ बजे बाबा श्याम को भोग लगाकर भंडारे का प्रसाद वितरित किया गया। रात को कांग्रेस नेता नवीन केडिया, सुरेंद्र बंसल एडवोकेट, आर पी शर्मा एडवोकेट, दिलबाग सिंह, साहिल बंसल सहित अन्य मौजूद रहे।

गोशाला में चला स्वच्छता अभियान

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सिरसा

सिरसा। गौशाला में सफाई अभियन में जुटे ग्रामीण।

गोपाल गोवंश सेवा समिति अरनियांवाली में ग्रामीणों द्वारा सफाई अभियान चलाया गया। गौशाला के प्रवक्ता बृजलाल सुथार ने बताया कि अभियान का शुभारंभ गांव के सरपंच कृष्ण खोथ ने किया। कृष्ण खोथ ने कहा कि गौमाता हमारी आस्था की केंद्र बिंदू हैं। इसका स्थान सदैव स्वच्छ रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि गाय हमारे लिए सर्फि एक जानवर नहीं है, यह हमारी भावनाएं हैं और हमारी बहुत सारी भावनाएं गाय में निहित है। उन्होंने कहा कि कलयुग में पापों से मुक्ति केवल गाय की सेवा से ही मिल सकती है। खोथ ने कहा कि हिंदु पौराणिक कथाओं के अनुसार गाय एक पवत्रि जानवर है और भारतीय संस्कृति में इसका स्थान पूजनीय है। पुराने समय में गाय के गोबर का उपयोग हर घर में ईंधन और घरों के फर्श के रूप में किया जाता था। उन्होंने कहा कि गाय का धार्मिक भावनाओं के साथ-साथ वैज्ञानिक महत्व भी है। इससे हमें दूध और डेयरी उत्पाद भी मिलते हैं, जो हमारे शरीर के विकास के लिए बहुत आवश्यक है। इस मौके पर ग्रामीणों व गौभक्तों ने करीब दो से ढाई घंटे की मेहनत से पूरे गौशाला प्रांगण को चकाचक कर दिया। प्रवक्ता बृजलाल सुथार ने बताया कि छुट्टी के दिन गौभक्त व युवा गौशाला में सफाई अभियान के साथ-साथ गौसेवा के लिए भी आते हैं। इस मौके पर भागाराम सुथार, पवन वर्मा, रोहताश कस्वां, मांगेराम

गुरु बिन ज्ञान नहीं, ज्ञान बिन मुक्ति नहीं

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सिरसा

सिरसा। कथा प्रवचन करते स्वामी दिनेशानंद व उपस्थित श्रद्धालुजन।

अखिल भारतीय धर्म सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी दिनेशानंद महाराज ने कहा कि गुरु बिन ज्ञान नहीं, ज्ञान के बिना मुक्ति नही। चाहे ब्रह्मा, शंकर के समान महान हो, किंतु गुरु बिना भवसागर से पार नही हो सकता। वह श्री मद्भागवत कथा के सातवें दिन रविवार को जनता भवन सिथत राम भवन में श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दत्तात्रेय ने 24 गुरु बनाए। वस्तुस्थिति यह है कि उन्होंने पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश, अजगर, भृंगी आदि पदार्थों से शक्षिा ग्रहण की। उन्होंने पृथ्वी से सहनशीलता, जल से मधुरता इसी तरह उन्होंने अन्य प्राकृतिक पदार्थों से गुण ग्रहण किए। उन्होंने कहा कि भागवत कथा के अंत में शुकदेव जी महाराज ने अपने शष्यि को पास में बैठाया और ब्रह्म ज्ञान दिया। गुरु शुकदेव जी ने कहा हे राजन मैं मरुंगा, यह पशु बुद्धि छोड़ दे। मैं शरीर हूँ इस गलत धारणा को छोड़ दो। तू शरीर नही है। शरीर जन्म लेता है, बढ़ता है, विकसित होता है बूढा होता है और अंत में मर जाता है। किंतू तू शरीर नहीं है, इंद्रियां, मन, बुद्धि नहीं हो। उन्होंने कहा कि शरीर जन्म लेता है, बढ़ता है और मरता है। लेकिन आत्मा जब जन्म ही नही लेती तो मरेगी कैसे। उन्होंने कहा कि आत्मा को शस्त्र काट नही सकता, पानी इसे गला नही सकता और वायु इसे सुखा नही सकती। आत्मा तो अजर अमर है। स्वामी दिनेशानंद ने कथा को धारा प्रवाह आगे बढ़ाते हुए कहा कि मनुष्य को जीवन मरन के बंधन से मुक्त होकर परमात्मा में ध्यान लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शरीर जन्म लेता है और वह, बढ़ कर अंत में मर जाता है लेकिन आत्मा तो अजर अमर है वह न तो जन्म लेती है और न ही मरती है। उन्होंने कहा कि गुरु शुकदेव ने शष्यि से कहा कि तू आत्मा है शरीर नहीं, तू सच्चिदानंद स्वरुप है। काल आत्मा को छू भी नही सकता, माया इस परमतत्व को बिगाड़ नही सकती। उन्होंने कहा कि हे मानव अपने स्वरुप को पहचान जो अपनी आत्मा में स्थित है।

बच्चों को मोटिवेट करना जरूरी : भारद्वाज

- डीएवी स्कूल नागपुर में बच्चों के सर्वांगीण विकास को लेकर टीचर्स और विद्यार्थियों में चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रतिया

रतिया। डीएवी स्कूल नागपुर में विद्यार्थियों के साथ चर्चा करते प्रिंसीपल प्रियंका भारद्वाज व चेयरमैन रंजू मेहता।

आज बच्चे माता-पिता और शिक्षकों से क्यों दूर होते जा रहे हैं। बच्चे उनसे अपने मन की बात क्यों नहीं कर पाते, यह दूरी निरन्तर क्यों बढ़ती जा रही है। बच्चे डिप्रेशन में क्यों जा रहे हैं और उनके काउंसलर की जरूरत क्यों पड़ रही है। अपनापन बेगानेपन में क्यों बदलता जा रहा है। आज अध्यापकों व अभिभावकों के सामने ऐसे बहुत सारे प्रश्न उनके सामने खड़े हैं। शिक्षकों को इसका उत्तर तुरन्त खोजना होगा। यह बात डीएवी स्कूल नागपुर में शिक्षकों व विद्यार्थियों के साथ चर्चा करते हुए प्रिंसीपल प्रियंका भारद्वाज व चेयरमैन रंजू मेहता ने कही। प्रिंसीपल प्रियंका भारद्वाज व चेयरमैन रंजू मेहता ने कहा कि अध्यापक किताबें तो पढ़ते-पढ़ाते हैं। वे कभी बच्चों का चेहरा पढ़ें, मन पढे.तो पता चलेगा कि अभी बहुत कुछ पढ़ाना बाकी है। पढ़ाने की तो बात ही छोड़िए, अगर पढ़ने वाला ही तैयार न हो तो कोई भी कुछ नहीं पढ़ा सकेगा। बड़े से बड़े टीचर या प्रोफेसर भी पढ़ा नहीं सकेंगे, और यदि पढ़ने वाला खुश है, दिल से पढ़ने को तैयार है तो कम से कम समय में उसे काफी कुछ पढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि स्कूल अच्छा परीक्षा-परिणाम तो दे सकते हैं, क्या स्कूल बच्चों के चेहरे पर मधुर मुस्कान बिखेर सकते हैं, यदि नहीं तो उनका वह परीक्षा-परिणाम किसी मतलब का नहीं। बच्चे किसी भी स्वस्थ समाज की सबसे बड़ी धरोहर है। यदि हम अच्छे समाज और देश का निर्माण करना चाहते हैं तो हमें मिलकर बच्चों पर ध्यान देना होगा। बच्चों को क्या अच्छा लगता है, क्या नहीं, टीचर्स और पैरेंट्स को यह जानना होगा। हमें बच्चों का मालिक नहीं, दोस्त बनना होगा, पढ़ाई के साथ साथ उनकी खुशी का ध्यान रखना होगा, उनकी बात को ध्यान से सुनना होगा, अच्छे संस्कार देने होंगे, अच्छी किताबें पढ़ने, क्रिएटिव एक्टिविटीज करने और खेलने के लिए उनको मोटिवेट करना होगा।

विद्यार्थी हित का एजेंडा तैयार : वर्मा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सिरसा

सिरसा। पत्रकारों से बातचीत करते एबीवीपी के प्रांत मंत्री राहुल वर्मा।

- लोकमत परिष्कार अभियान से मतदाताओं को किया जाएगा

अभाविप प्रांत मंत्री हरियाणा राहुल वर्मा ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद वश्वि का सबसे बड़ा छात्र संगठन है। विद्यार्थियों की समस्याओं को लेकर संगठन समय-समय पर आंदोलनरत रहा है और प्रमुखता से विद्यार्थियों की आवाज को बुलंद किया है। आगामी एक साल के कार्यों का एजेंडा भी तैयार कर लिया गया है। राहुल वर्मा रविवार को अभाविप की बैठक के बाद सांय को रानियां रोड स्थित महेश्वरी सदन में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। वर्मा ने कहा कि अभाविप की ओर से लोकसभा चुनावों को देखते हुए लोकमत परष्किार अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत जो युवा मतदाता हैं, उन्हें मतदान के प्रति जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो प्रथम मतदाता है, उसे यह भली भांति बताया जाएगा कि उसका हित किस पार्टी या उम्मीदवार के साथ है। इसके साथ-साथ मतदाताओं को घर-घर जाकर 100 प्रतिशत मतदान के लिए भी जागरूक किया जाएगा। वर्मा ने बताया कि अभाविप की ओर से परिषद चलो अभियान भी चलाया जाएगा, जिसमें वद्यिार्थियों के मुद्दों पर विचार किया जाएगा। पीछे क्या कमियां रही, इसपर भी विचार कर उसे भवष्यि में सुधारा जाएगा। इसकेलिए बकायदा शैक्षणिक संस्थानों में सर्वे किया जाएगा। चौ. देवीलाल वश्विवद्यिालय में वद्यिार्थियों की समस्याओं संबंधी पूछे गए सवाल के जवाब में राहुल वर्मा ने कहा कि उनके मंथन किया जाएगा।

अप्रैल माह में फतेहाबाद पुलिस ने चलाया स्पेशल अभियान

11 पीओ सहित 19 बैल जम्पर को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ फतेहाबाद

फतेहाबाद। एसपी आस्था मोदी।

पुलिस अधीक्षक आस्था मोदी के दिशा-निर्देशानुसार अप्रैल माह में चलाए गए स्पैशल अभियान के तहत पुलिस ने अपराधियों की धरपकड़ की है। एसपी द्वारा सभी थाना प्रबंधक, चौकी इंचार्ज व इंचार्ज विशेष यूनिटों को अवैध तथा गैर कानूनी अपराधों को अंजाम देने वाले आरोपियों पर कार्यवाही करने के लिये सख्त निर्देश दिये गये थे। इसके तहत अवैध कारोबारों मे संलिप्त आरोपियों पर सख्त कार्यवाही करते हुए अवैध हथियारों के शौकिन व ड्रग्स की तस्करी करने सहित अनेक आरोपियों पर कड़ा प्रहार किया गया है। इस अभियान के तहत पुलिस ने संगीन मामलों में फरार बदमाशों की धर पकड़ करते हुए विभिन्न आपराधिक मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे 11 पीओ एवं 19 बेल जंपर अपराधियों को गिरफ्तार कर उन्हें जेल की सलाखों के पीछे भेजने का काम किया है। अवैध हथियारों की तस्करी व अवैध हथियारों के शौकीन 12 आरोपियों को गिरफ्तार करके 8 मामले दर्ज किये गये, जिनके कब्जे से 10 देसी पिस्टल, 1 चाकू तथा 18 कारतूस बरामद किए गए। ड्रग्स की तस्करी करने वाले 18 आरोपियों को गिरफ्तार करके उनके खिलाफ 17 मामले दर्ज किये गये। इन आरोपियों के कब्जे से लाखों रुपए की कीमत की 96 किलो 98 ग्राम चूरा पोस्त, 3 क्विंटल 1 किलो 700 ग्राम गांजा, 170 ग्राम अफीम, 155 पोस्त के पौधे, 140 ग्राम 48 मिलीग्राम हेरोईन एवं प्रतिबन्धित 450 गोलिया बरामद की गई।

शराब तस्करों पर कसी जा रही लगाम

इसके अलावा फतेहाबाद पुलिस द्वारा शराब के अवैध कारोबार में संलिप्त 51 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इन आरोपियों के खिलाफ विभिन्न पुलिस थानों में 50 मामले दर्ज किये गये और इन आरोपियों के कब्जे से लाखों रुपए की कीमत की 501 बोतल ठेका देशी, 303 बोतल हथकड, 18 बोतल अंग्रेजी, 18 बोतल बियर शराब , 955 लीटर लहान एवं 2 चलती भट्ठी पकड़ने मे सफलता हासिल की। सट्टा खाईवाली व जुआ खेलने वाले 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया जाकर उनके खिलाफ 10 मामले दर्ज किये गये। इन आरोपियों के कब्जे से 92 हजार 340 रुपये की नगदी बरामद की गई। पुलिस अधीक्षक आस्था मोदी ने जिला के सभी थाना प्रभारियों सीआईए स्टाफ, नारकोटिक्स सेल तथा पीओ स्टाफ को विशेष निर्देश दिए है कि विभिन्न मामलों में वांछित आरोपियों की धर पकड़ के लिए चलाई जा रही मुहिम में आमजन का सहयोग लेकर और तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि आगे भी जिला फतेहाबाद में किसी भी प्रकार के अवैध कारोबार को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा और इस तरह की सख्त कार्यवाही भविष्य में भी जारी रहेगी।

आत्महत्या के लिए मजबूर करने पर पत्नी सहित दो के खिलाफ केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सिरसा

सदर डबवाली पुलिस ने गंगानगर के कस्बा घड़साना निवासी सुखमद्रिं सिंह की शिकायत पर उसके ममेरे भाई की मौत के मामले में ममेरे भाई की पत्नी व उसके दोस्त के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर करने का मामला दर्ज किया है।

ये था मामला

परमजीत ने उसे बताया कि उसकी पत्नी परमजीत का चाल चलन ठीक नहीं है। वह राम प्रताप पुत्र सुखराम निवासी गांव भिरजेवाला जिला गंगानगर के संपर्क में है। उसके साथ हमेशा बातचीत करती रहती है। मना करने पर भी रामप्रताप से बातचीत बंद नहीं करती। वह अपनी पत्नी से परेशान हो चुका है, इसलिए स्पेर पीकर आत्महत्या करुंगा। उसने ऐसा कदम न उठाने के लिए कहा। अपनी शिकायत में सुखमद्रिं सिंह ने बताया कि उसका मामा प्रेम सिंह का बेटा परमजीत सिंह निवासी जीडी गंगानगर का ससुराल अहमदपुर दारेवाला में है। उसने बताया कि परमजीत सिंह का उसके पास फोन आया कि उसकी पत्नी अपने मायके अहमदपुर दारेवाला आई हुई है और वह भी पिछले 7-8 दिनों से अपनी ससुराल में आया हुआ है। सुखमद्रिं सिंह ने बताया कि उसके ममेरे भाई ने अपनी पत्नी परमजीत और उसके दोस्त रामप्रताप से तंग आकर अपनी इहलीला समाप्त कर ली। उसकी मौत के लिए दोनों जम्मिेवार है। डबवाली सदर पुलिस ने दोनों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 306, 34 के तहत मामला दर्ज किया है।